● वर्ष : 17 ● अंक : 194 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS
RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित मंगलवार 05 मई 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

'नमो' श्कार बंगाल

पश्चिम बंगाल, असम में भाजपा, केरल में कांग्रेस, तमिलनाडु में टीवीके आगे

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडेचेरी के विधानसभा चुनाव की मतगणना जारी है। इसके रुझानों में असम और पुडुचेरी में भाजपा-नीत राजग सरकार की वापसी होती दिख रही है, जबकि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भारी उलटफेर की संभावना के साथ क्रमशः भाजपा और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) निर्णायक बढत बनाए हुए हैं। केरल में कांग्रेस-नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की सरकार बनने की प्रबल संभावना है। पांच राज्यों की सात विधानसभा सीटों के उपचुनाव में महाराष्ट्र की बारामती सीट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सुनेत्रा पवार और राहुरी से भाजपा उम्मीदवार अक्षय कार्डिले, गुजरात के उमरेठ सीट से भाजपा उम्मीदवार हर्षदभाई गोविंदभाई परमार ने जीत दर्ज की है।नगालैंड के कोरीडांग सीट पर भाजपा उम्मीदवार दाओचिर आई. इम्चेन, त्रिपुरा की धर्मनगर सीट पर भाजपा उम्मीदवार जहर चक्रवर्ती ने जीत दर्ज की है। वहीं कर्नाटक के बागलकोट सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार उमेश हुलप्पा ने जीत दर्ज की है, जबकि दावनगेरे दक्षिण सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार सम्राट एस. मल्लिकार्जुन अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार श्रीनिवास पर निर्णायक बढ़त बनाए हुए हैं।

पुदुचेरी में एनआर कांग्रेस-भाजपा गठबंधन 16 सीटों पर आगे, मुख्यमंत्री रंगासामी को निर्णायक बढ़तः केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी की 30 सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनाव की मतगणना जारी है। शुरुआती यानी सुबह 10 बजे तक आए रुझानों के अनुसार सत्तारूढ़ एन. रंगासामी के नेतृत्व वाली एनआर कांग्रेस–भाजपा गठबंधन 16 सीटों पर आगे चल रही है, जिससे उसकी सत्ता में वापसी की संभावना मजबूत हो गई है। वहीं, नवगठित तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने 4 सीटों पर बढ़त बनाकर राजनीतिक हलकों में ध्यान आकर्षित किया है। कांग्रेस 3 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि अन्य सीटों पर मुकाबला बेहद करीबी बना हुआ है। सबसे अहम राजनीतिक घटनाक्रम तट्टांचावडी विधानसभा क्षेत्र में देखने को मिल रहा है, जहां मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी नेयम मक्कल कज़गम के ई. विनयगम पर 4,441 वोटों के अंतर से निर्णायक बढ़त बना ली है।

प्रधानमंत्री मोदी बंगाली धोती पहनकर भाजपा मुख्यालय पहुंचे, नितिन नवीन को माला पहनाई

पश्चिम बंगाल | तमिलनाडु | केरलम | असम | पुडुचेरी

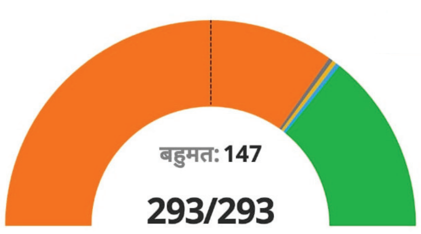

बहुमत: 147

293/293

पार्टी	आगे	जीते	कुल
भाजपा	152	52	204 (+127)
टीएमसी	62	21	83 (-133)
कांग्रेस	1	1	2 (+2)
लेफ्ट फ्रंट	2	0	2 (+1)
अन्य	0	2	2 (+2)

ⓘ बंगाल की फालता सीट पर चुनाव रद्द, 21 मई को दोबारा मतदान।

पश्चिम बंगाल | तमिलनाडु | केरलम | असम | पुडुचेरी

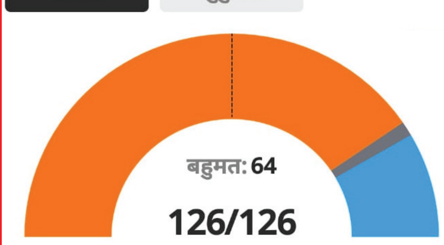

बहुमत: 64

126/126

पार्टी	आगे	जीते	कुल
भाजपा+	29	73	102 (+27)
कांग्रेस+	15	6	21 (-29)
अन्य	1	2	3 (+2)

पश्चिम बंगाल | तमिलनाडु | केरलम | असम | पुडुचेरी

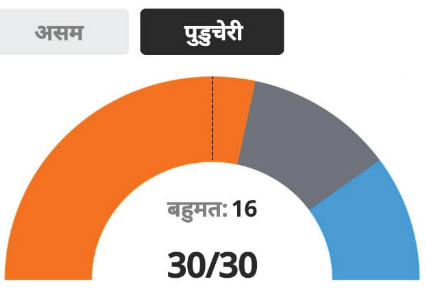

बहुमत: 16

30/30

पार्टी	आगे	जीते	कुल
एनडीए	3	14	17 (+1)
कांग्रेस+	2	4	6 (-2)
अन्य	1	6	7 (+1)

विश्वास का उदय- बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक महाविजयः जेपी नड्डा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक जीत की ओर अग्रसर है। इसपर जीत पर खुशी जाहिर करते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि विश्वास का उदय- बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक महाविजय है। उन्होंने कहा कि आज का दिन भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए भावुक पल है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की अभूतपूर्व महाविजय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता की मुहर और तृणमूल कांग्रेस के कुशासन, भ्रष्टाचार, टोलाबाजी, घुसपैठ, तुष्टिकरण, अराजकता एवं गुंडागर्दी की करारी हार है। सोमवार को एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि इतिहास गवाह है कि बंगाल जब परिवर्तन ठान लेता है तो कोई भी ताकत उसे नहीं रोक पाती।

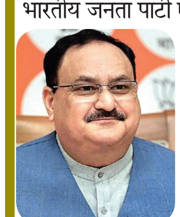

पश्चिम बंगाल की जीत अस्मिता, संस्कृति और गौरव की पुनर्स्थापना का प्रतीकः नितिन नवीन

नई दिल्ली। असम और पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन ने दोनों राज्यों की जनता का आभार व्यक्त किया। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक्स पर साझा किए अपने संदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल की देवतुल्य जनता को इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए कोटि-कोटि धन्यवाद, आभार एवं अभिनंदन। चैतन्य महाप्रभु, स्वामी विवेकानंद और हमारे पथप्रदर्शक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसी महान विभूतियों की यह पावन धरा अब शांति, समृद्धि और सुशासन के एक नए युग की साक्षी बनेगी। उन्होंने कहा कि यह विजय पश्चिम बंगाल की अस्मिता, संस्कृति और गौरव की पुनर्स्थापना का प्रतीक है।

बंगाल-असम, पुडुचेरी में भाजपा की जीत पर दिल्ली में जश्नःशाह, नितिन नवीन पार्टी मुख्यालय पहुंचे

गंगोत्री से गंगासागर तक मोदीमय हुआ भारत, भाजपा की जीत भारत की जीत

बंगाल के लोगों के सपनों को पूरा करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी भाजपाः मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी को मिली जीत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य की जनता का आभार जताते हुए कहा कि पार्टी पश्चिम बंगाल के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट पर चुनावों को अविस्मरणीय और नतीजों को जनशक्ति की जीत बताया है। विजय के लिए बंगाल की जनता का आभार प्रगट करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के सुशासन की राजनीति को यहां के लोगों का भरपूर आशीर्वाद मिला है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भाजपा पश्चिम बंगाल के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। डबल इंजन सरकार समाज के सभी वर्गों के लिए समान अवसर और सम्मान सुनिश्चित करेगी। जीत को भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कर्मठ कार्यकर्ताओं के दशकों के अथक प्रयास और संघर्षों का परिणाम बताया है और कहा कि वे हमारी पार्टी की असली ताकत हैं। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बंगालवासियों ने घुसपैठियों और उनके हितैषियों को ऐसा सबक सिखाया है, जिसे तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली पार्टियाँ कभी भूल नहीं पाएंगी। बंगाल ने जिन आशाओं और आकांक्षाओं के साथ मोदीजी के नेतृत्व पर विश्वास जताया है, हम निश्चित रूप से उन्हें पूरा करेंगे। शाह ने कहा, "यह तृणमूल के 'भय' के ऊपर मोदीजी पर 'भरोसे' की जीत है। मेरे जैसे हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए यह गर्व का क्षण है कि गंगोत्री में माँ गंगा के उद्गम से लेकर गंगासागर तक आज हर जगह भाजपा का भगवा ध्वज शान से लहरा रहा है।" शाह ने कहा, "चैतन्य महाप्रभु, स्वामी विवेकानंद, कविगुरु टैगोर, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे महापुरुषों की पावन भूमि बंगाल का खोया गौरव लौटाने और 'सोनार बांग्ला' के स्वप्न को साकार करने के लिए भाजपा दिन-रात एक कर देगी। उन्होंने कहा कि यह जीत असंख्य कार्यकर्ताओं के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। उन परिवारों के धैर्य की जीत है, जिन्होंने हिंसा सहकर भी भगवा ध्वज नहीं छोड़ा।

बंगाल की विजय तृणमूल के 'भय' के ऊपर मोदीजी पर 'भरोसे' की जीतः अमित शाह

मोदी बोले- वर्षों की साधना सिद्धः इससे परफॉर्मेंस की पॉलिटिक्स पर भरोसा दिखा

तमिलनाडु चुनाव 2026

एक्टर विजय ने 2 साल पहले बनाई थी TVK

2 चर्चित वादे

- **शादी के लिए लड़कियों को 8 ग्राम सोना**
- **नवजात बच्चों को सोने की अंगूठी**

TVK ने सभी 234 सीटों पर चुनाव लड़ा

- **2009:** विजय ने विजय मक्कल इयक्कम की शुरुआत की। फैन क्लब्स को नर्पणी इयक्कम के तहत संगठित किया गया, जो समाज सेवा करता था।
- **2011:** इस नेटवर्क ने विधानसभा चुनाव में AIADMK गठबंधन का समर्थन किया।
- **2 फरवरी 2024:** विजय ने औपचारिक तौर पर तमिलगा वेट्री कड़गम (TVK) लॉन्च की। इसके पहले अध्यक्ष बने।
- **अगस्त 2024:** पार्टी ने लाल-पीले रंग का झंडा जारी किया, जिसमें वागाई फूल और दो हाथी का चिन्ह है।
- **सितंबर 2024:** चुनाव आयोग ने TVK को राजनीतिक पार्टी के रूप में रजिस्टर किया।
- **27 अक्टूबर 2024:** चेन्नई के नजदीक विक्रवंडी में पार्टी का पहला राज्य स्तरीय सम्मेलन हुआ।

पश्चिम बंगाल | तमिलनाडु | केरलम | असम | पुडुचेरी

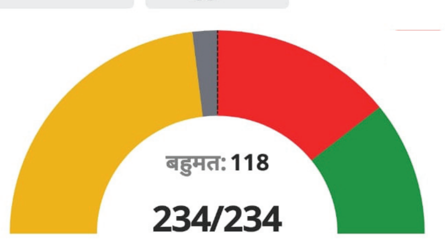

बहुमत: 118

234/234

पार्टी	आगे	जीते	कुल
टीवीके	74	34	108 (+108)
अन्नाद्रमुक+	36	14	50 (-25)
डीएमके+	50	17	67 (-92)
अन्य	8	1	9 (+9)

पश्चिम बंगाल | तमिलनाडु | केरलम | असम | पुडुचेरी

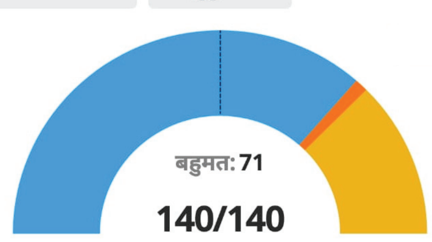

बहुमत: 71

140/140

पार्टी	आगे	जीते	कुल
यूडीएफ	1	101	102 (+61)
एलडीएफ	2	33	35 (-64)
एनडीए	0	3	3 (+3)
अन्य	0	0	0 (0)

1 बजे तक दीदी टाटा, बाय-बाय... अमित शाह का पुराना वीडियो वायरल

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन कर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है, इससे तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की चौथी बार सत्ता में आने की उम्मीदें खत्म गई हैं। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही राज्य में भाजपा पहली बार सरकार बनाने जा रही है, जो तृणमूल के 15 साल और इसके पहले कम्युनिस्टों के 34 साल के शासन को समाप्त करेगी। आज की इस बंपर जीत पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुराना चुनावी वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे भविष्यवाणी कह रहे हैं कि 4 मई के बाद जनता टीएमसी को बाय-बाय कह देगा। केंद्रीय गृहमंत्री शाह का ये वीडियो अब भाजपा की जीत के बाद और भी प्रासंगिक हो गया है। चुनाव आयोग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भाजपा 183 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि ममता के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को 101 सीटों पर संतोष करना पड़ा है और उसकी सहयोगी बीजीपीएम एक सीट पर आगे है। भाजपा ने सरकार बनाने के लिए आवश्यक 148 सीटों के बहुमत के आंकड़े को आसानी से पार कर लिया है। बंगाल में भाजपा के प्रदर्शन से उत्साहित पश्चिम बंगाल के विपक्ष के नेता और उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी ने अपनी जीत का दावा कर कहा, भाजपा 180 से अधिक सीटों के साथ सरकार बनाएगी। टीएमसी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, रोने दीजिए। खत्म पूरा खत्म। सभी हिंदू नरेंद्र मोदी के समर्थन में एकजुट हैं। उन्होंने मतदान पैटर्न पर भी टिप्पणी कर कहा कि हिंदू ईवीएम का मतलब भाजपा है।

ममता की करारी हार पर वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

खास खबर

दलित-आदिवासी को जमानत के लिए पुलिस स्टेशन की सफाई करने वाली शर्तें सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कीं

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने ओडिशा में उच्च न्यायालय और निचली अदालतों के हाल के कुछ मामलों में दलित और आदिवासी समुदाय के लोगों को जमानत देते वक्त उन्हें दो महीने तक पुलिस स्टेशन साफ करने की शर्त लगाने पर स्वतः संज्ञान लिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मसले पर सख्त नाराजगी जाहिर की है। उच्चतम न्यायालय ने इन शर्तों को अपमानजनक और मानवीय गरिमा का उल्लंघन करार देते हुए रद्द करने का आदेश दिया। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि हम बहुत निराश और दुखी हैं कि इस तरह की शर्त बेहद क्रूर और घिनौनी हैं और इंसान की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली हैं। कोर्ट ने कहा कि इन शर्तों से ऐसा लग सकता है कि न्यायपालिका जाति के आधार पर काम कर रही है क्योंकि समाज के वंचित तबके के लिए ही ऐसी शर्त लगाई गई हैं। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि 2026 में हम न्यायपालिका से ऐसी उम्मीद नहीं रखते। उच्चतम न्यायालय ने देशभर की अदालतों को चेतावनी दी कि आगे से ऐसी शर्तें न लगाई जाए। इनमें से ज्यादातर मामले खनन विरोधी प्रदर्शनों से जुड़े थे।

आईआईएफएल के खिलाफ की धोखाधड़ी की शिकायत

लोकतंत्र की शानमयूर विहार फेज -3 निवासी रामपाल गोयल ने आईआईएफएल होम फाइनेंस पर अनधिकृत रूप से दुकान पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसकी शिकायत डीसीपी, पूर्वी दिल्ली से भी की है। श्री गोयल ने बताया कि मकान संख्या 34-A, पॉकेट ए-1 मेरी पत्नी इंदु गोयल के नाम रजिस्टर्ड है। इस प्रॉपर्टी पर हमने आईआईएफएल से कोविड के पहले प्ले स्कूल के लिए 40 लाख का लोन लिया था। लेकिन कोविड के दौरान स्कूल बंद हो गया। 31 मार्च 2024 तक हमने बैंक को 38 लाख रुपए दे दिए। बाद में बैंक ने हम पर 45 लाख रुपए निकाल दिया। फिर हमने बैंक से 32 लाख रुपए में सेटल कर लिया। मामला सिविल कोर्ट में भी गया। रामपाल गोयल ने बताया कि लोन लेने के समय बैंक द्वारा हमारी प्रॉपर्टी, जिसका एरिया 484 स्क्वायर फीट/45 मीटर की रजिस्ट्री बैंक के पास गिरवी रखी गई थी। उन्होंने बताया कि 22 सितंबर 2025 को मेरी प्रॉपर्टी पर कब्जे के लिए आईआईएफएल होम फाइनेंस ने माननीय सीजेएम ईस्ट न्यायालय द्वारा आदेश प्राप्त किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि आईआईएफएल ने 28 अक्टूबर 2025 को मेरी गिरवी रखी गई प्रॉपर्टी के साथ साथ बाहर बनी तीन दुकानों पर भी अनधिकृत रूप से कब्जा करवा लिया और दुकानों में रखे लाखों रुपए के सामान को सड़क पर फेंकवा दिया। श्री गोयल ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है, ताकि उनके साथ न्याय हो सके। उन्होंने कहा कि अगर इसमें मेरी कोई गलती है तो मैं कोई भी सजा भुगतने को तैयार हूं। लेकिन आईआईएफएल की गलती है तो आरबीआई उसका लाइसेंस रद्द करे।

दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता में सुधार, ग्रैप 1 की पाबंदियां हटी

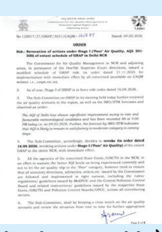
ORDER
Sub.: Revocation of actions under Stage I ('Poor' Air Quality, AQI: 201-300) of extant schedule of GRAP in Delhi-NCR

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता में सुधार को देखते हुए ग्रेडेड रिस्पोंस एक्शन प्लान (ग्रैप-1) की पाबंदियां हटा दी हैं। इन पाबंदियों में निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण, मैकेनिकल सड़क सफाई, खुले में कचरा, कोयला जलाने पर प्रतिबंध, डीजल जनरेटर के उपयोग पर रोक और होटल और ढाबों में तंदूर पर प्रतिबंध जैसे कड़े शामिल होते हैं। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार के बाद ग्रैप चरण एक के प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। आयोग ने एक विज्ञप्ति में सोमवार को यह जानकारी दी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने बताया कि अनुकूल मौसम की स्थिति के कारण सोमवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 88 दर्ज किया गया। इसके अलावा, भारत मौसम विभाग और आईआईटीएम के पूर्वानुमान में संकेत मिलता है कि आने वाले दिनों में एक्यूआई मध्यम श्रेणी में रहने की संभावना है। इसके कारण ग्रैप 1 की पाबंदियां हटा दी गई है। उल्लेखनीय है कि ग्रैप 1 के तहत एक्यूआई (201-300) 'ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान' की चरण एक की पाबंदियां लागू किया जाता है, जो प्रदूषण को रोकने के लिए 27-सूत्रीय कार्य योजना है।

डीजीसीए में रिश्वतखोरी के मामले में आरोपित रिलायंस इंडस्ट्रीज के अधिकारी भरत माथुर को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नागरिक विमानन महानिदेशालय में रिश्वतखोरी के मामले में आरोपित रिलायंस इंडस्ट्रीज के अधिकारी भरत माथुर को जमानत दे दी है। स्पेशल जज छवि कपूर ने जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। भरत माथुर को सीबीआई ने नागरिक विमानन महानिदेशालय के डिप्टी डायरेक्टर जनरल मुदावथ देवुला को 18 अप्रैल को गिरफ्तार किया था। मामला ड्रोन के आयात के लिए रेगुलेटरी स्वीकृति देने में भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ है। सीबीआई के मुताबिक मुदावथ देवुला ने लंबित अर्जियों को निपटाने के लिए रिश्वत मांगी थी। भरत माथुर ने देवुला से मार्च में ड्रोन के आयात से जुड़ी अर्जियों को निपटाने के लिए संपर्क किया था। भरत माथुर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और इसकी सहायक कंपनी एस्टिरिया एयरोस्पेस से जुड़ा है। सीबीआई के मुताबिक भरत माथुर और मुदावथ देवुला में प्रति अर्जी पांच लाख रुपये की रिश्वत के लेनदेन की सहमति बनी। इसमें से ढाई लाख रुपये एडवांस देने थे। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने जाल बिछाकर दोनों को ढाई लाख रुपये की रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया। दोनों को गिरफ्तार करने के बाद सीबीआई ने आरोपितों के ठिकानों पर छापे मारकर 37 लाख रुपये नकदी के अलावा सोने और चांदी और डिजिटल साक्ष्य बरामद किए थे। सीबीआई ने इस मामले में 18 अप्रैल को एफआईआर दर्ज किया था। सीबीआई ने 19 अप्रैल को कोर्ट में पेश किया था जिसके बाद कोर्ट ने दोनों को सीबीआई की हिरासत में भेज दिया था।

पप्पू यादव ने जेड प्लस सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। बिहार के सांसद पप्पू यादव ने जेड प्लस सुरक्षा देने में देरी को लेकर उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। पप्पू यादव की याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने पटना उच्च न्यायालय को जल्द सुनवाई करने का निर्देश दिया। पप्पू यादव ने याचिका में कहा था कि उन्हें सिर्फ कागजों पर ही वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है, जो वास्तविक रुप से प्रभावी नहीं है। सुनवाई के दौरान पप्पू यादव की ओर से पेश वकील ने कहा कि उनकी सुरक्षा में केवल दो सुरक्षाकर्मी शामिल हैं, जो उनकी रक्षा के लिए नाकाफी हैं। पप्पू यादव की ओर से कहा गया कि उनके परिवार पर पहले भी हमला हो चुका है। उनके भाई पर भी हमले हुए हैं। ऐसे में जेड प्लस सुरक्षा जरूरी है। सुनवाई के दौरान पप्पू यादव की ओर से कहा गया कि कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से उन्हें खुली धमकी मिली है। यह सीधा उनकी जान को खतरा है। ऐसे में सिर्फ वाई श्रेणी की सुरक्षा देना पर्याप्त नहीं है। तब मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आम तौर पर इस तरह की याचिकाएं सीधे उच्चतम न्यायालय में नहीं सुनी जातीं। पहले निचली अदालतों में इस मामले की सुनवाई होनी चाहिए।

अहमदाबाद में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत 22 दिनों में 5 भारी पोर्टल बीम लॉन्च

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। अहमदाबाद में मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत एक महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग उपलब्धि हासिल की गई है। मणिनगर क्षेत्र में अहमदाबाद–वडोदरा रेलवे लाइन के ऊपर कुल पांच प्रीकास्ट-प्रेस्ट्रेस्ड भारी पोर्टल बीम (गर्डर) मात्र 22 दिनों के भीतर सफलतापूर्वक लॉन्च किए गए। नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने सोमवार को एक बयान में बताया कि यह लॉन्चिंग गतिविधि 8, 13, 19, 24 और 29 अप्रैल को सुनियोजित क्रम में पूरी की गई, जो सक्रिय रेलवे ट्रैक के ऊपर तेज और सटीक कार्य निष्पादन का उदाहरण है। इनमें सबसे भारी बीम, जिसका वजन लगभग 1360 मीट्रिक टन था, 8 अप्रैल को लॉन्च किया गया। अन्य बीमों का वजन 1170 से 1360 मीट्रिक टन के बीच रहा, जिससे यह रेलवे अवसंरचना पर किए गए सबसे जटिल कार्यों में से एक बन गया है। मणिनगर में बुलेट ट्रेन का एलाइन्मेंट मौजूदा रेलवे ट्रैकों के ऊपर से ऊंचाई पर और तिरछे कोण पर गुजरता है, जिसके कारण संरचनात्मक योजना बेहद चुनौतीपूर्ण रही। यहां दो पिलरों के बीच की दूरी लगभग 30 से 34 मीटर है, जिसके चलते मजबूत और स्थिर पोर्टल बीम की आवश्यकता पड़ी।इन भारी पोर्टल बीमों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे अहमदाबाद–वडोदरा रेलवे की अप, डाउन और तीसरी लाइन सहित कई सक्रिय ट्रैकों को सुरक्षित रूप से कवर कर सकें। इनके बड़े आकार और वजन से संरचना में स्थिरता बनी रहती है और झुकाव न्यूनतम रहता है, जिससे ट्रैक की सटीकता और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित होता है। लॉन्चिंग के लिए 2200 मीट्रिक टन क्षमता वाले क्रॉलर क्रेन का उपयोग किया गया, जिसे पहली बार भारत में सक्रिय रेलवे ट्रैक के ऊपर इस्तेमाल किया गया। प्रत्येक बीम को लगभग 3.5 घंटे में स्थापित किया गया, जो पहले के 9 घंटे के ब्लॉक की तुलना में काफी तेज है। यह कार्य भारतीय रेलवे के साथ समन्वय, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और निरंतर निगरानी के साथ पूरा किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक पोर्टल बीम की लंबाई 34 मीटर है और इसका क्रॉस-सेक्शन 5.5 मीटर × 4.5 मीटर है। इन बीमों को साइट पर ही तैयार कर भारी इकाइयों के रूप में स्थापित किया गया।

प्रो केपी सिंह को गांधी भवन निदेशक पद पर मिला दो साल का कार्य विस्तार

» पूर्व कार्यकाल में दी गांधी भवन को नई गति
» सिंह ने कुलपति का आभार व्यक्त किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय गांधी भवन के निदेशक प्रोफेसर के पी सिंह का कार्यकाल दो वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है।अब वह इस पद पर अप्रैल 2028 तक बने रहेंगे। इस कार्यकाल बढ़ोतरी के लिए प्रोफेसर केपी सिंह जी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा की जिन अपेक्षाओं के लिए कुलपति जी ने मेरा कार्यकाल बढ़ाया है;मैं उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने का भरसक प्रयास करूंगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने उनके पूर्व चार साल के कार्यकाल में विशेष उपलब्धि और योगदान को देखते हुए यह सीमा दो वर्ष के लिए और बढ़ा दी। प्रोफेसर केपी सिंह के पिछले कार्यकाल में गांधी भवन ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक अमिट पहचान बनाई है।इनके कार्यकाल में गांधी भवन में विभिन्न शैक्षणिक सामाजिक साहित्यिक समारोह और व्याखानों का आयोजन हुआ है । इनके कार्यकाल में गांधी भवन में आयोजित विभिन्न आयोजनों में अनेक गणमान्य व्यक्तियों का आगमन हुआ। उन्होंने प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को गांधीवादी विचारधारा से जोड़ने का उल्लेखनीय और महत्वपूर्ण कार्य किया।इनके पूर्व के कार्यकाल में गांधी भवन ने नई ऊंचाइयां ही प्राप्त नहीं की बल्कि कुछ नये प्रयोगों द्वारा अपने व्यवहार में गांधी जी को कैसे जिया जाएं इस पर विशेष बल दिया। प्रो सिंह वर्तमान में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रभारी का दायित्व और दिल्ली पुस्तकालय संघ के अध्यक्ष पद का निर्वाह भी कर रहे हैं।

एटीएम काटकर 19.32 लाख उड़ाने वाले गिरोह का सदस्य गिरफ्तार, 22,500 रुपये और कार बरामद

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के वेस्ट विनोद नगर स्थित आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम को गैस कटर से काटकर करीब 19.32 लाख रुपये चोरी करने के मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान हरियाणा के पलवल निवासी 26 वर्षीय रॉबिन के रूप में हुई है। वह कुख्यात अंतरराज्यीय एटीएम कटर इमरान मेवाती गिरोह से जुड़ा हुआ है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट डिजायर कार और चोरी की रकम में से 22,500 रुपये बरामद किए हैं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने सोमवार को बताया कि मंडावली थाने में 30 अप्रैल को इस संबंध में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत हिटाची पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के लीगल एडवाइजर गौरव बैसला ने दी थी। शिकायत में बताया गया कि वेस्ट विनोद नगर स्थित आईसीआईसीआई बैंक एटीएम में 29 अप्रैल को दोपहर 2:11 बजे 22 लाख रुपये डाले गए थे। ग्राहकों द्वारा 2.67 लाख रुपये निकाले जाने के बाद मशीन में 19.32 लाख रुपये शेष थे। आरोप था कि 29 और 30 अप्रैल की दरम्यानी रात करीब 3 बजे से 3:20 बजे के बीच बदमाशों ने गैस कटर से एटीएम मशीन काटकर पूरी नकदी निकाल ली और फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच की एनडीआर टीम ने जांच शुरू की। इंस्पेक्टर विवेक मलिक के नेतृत्व में गठित टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी जांच और स्थानीय खुफिया सूचना के आधार पर पता चला कि वारदात में पलवल निवासी इमरान, रॉबिन और भूरा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपित लगातार ठिकाने बदल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए मोबाइल फोन भी बंद रखता था। तकनीकी निगरानी के बाद राजस्थान के भरतपुर में जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपित ने वारदात में शामिल होने की बात कबूल कर ली। उसने बताया कि करीब 20 दिन पहले गांव के रहने वाले इमरान ने उसे मोटी रकम का लालच देकर गिरोह में शामिल किया था। पुलिस जांच में सामने आया है कि इमरान उर्फ इमरान मेवाती कुख्यात अंतरराज्यीय एटीएम कटर है, जिसके खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में 25 से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उसके अन्य साथियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

टेरर फंडिंगः इंजीनियर रशीद ने अंतरिम जमानत शर्तों में बदलाव के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। टेरर फंडिंग मामले के आरोपित और सांसद इंजीनियर रशीद ने अपने बीमार पिता को देखने के लिए मिली अंतरिम जमानत की शर्तो में बदलाव करने की मांग करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। उच्च न्यायालय आज ही याचिका पर सुनवाई करेगा। दरअसल, 28 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने इंजीनियर रशीद को श्रीनगर में अपने बीमार पिता को देखने के लिए एक हफ्ते की अंतरिम जमानत दी थी। अब उनके पिता को दिल्ली एम्स ले आया गया है। इंजीनियर रशीद की याचिका में कहा गया है कि वे श्रीनगर में फंसे हुए हैं। रशीद ने अपने पिता को दिल्ली एम्स आकर देखने के लिए अंतरिम जमानत में बदलाव करने की मांग की है। इसके पहले पटियाला हाउस कोर्ट ने 24 अप्रैल को इंजीनियर रशीद की याचिका खारिज कर दी थी। इंजीनियर रशीद ने याचिका दायर कर कहा था कि उनके पिता बीमार हैं और वो वेंटिलेटर पर हैं। इससे पहले पटियाला हाउस कोर्ट ने इंजीनियर रशीद को हिरासत में संसद सत्र में हिस्सा लेने की अनुमति दी थी। कोर्ट ने इंजीनियर रशीद को 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक संसद के पूरे सत्र में हिस्सा लेने की अनुमति दी थी। नवंबर 2025 में भी कोर्ट ने रशीद को संसद सत्र में हिस्सा लेने की अनुमति दी थी। इंजीनियर रशीद को सितंबर 2025 में हुए उप-राष्ट्रपति के चुनाव में वोट डालने की अनुमति दी थी। इंजीनियर रशीद ने बारामूला लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को करीब एक लाख मतों से हराकर जीत हासिल की थी। रशीद को 2016 में एनआईए ने गिरफ्तार किया था। पटियाला हाउस कोर्ट ने 16 मार्च 2022 को हाफिज सईद, सैयद सलाहुद्दीन, यासिन मलिक, शब्बीर शाह और मसरत आलम, रशीद, जहूर अहमद वताली, बिट्टा कराटे, आफताब अहमद शाह, अवतार अहम शाह, नईम खान, बशीर अहमद बट्ट ऊर्फ पीर सैफुल्ला समेत दूसरे आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। एनआईए के मुताबिक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के सहयोग से लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिद्दीन, जेकेएलएफ, जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने जम्मू-कश्मीर में आम नागरिकों और सुरक्षा बलों पर हमले और हिंसा को अंजाम दिया। 1993 में अलगाववादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए ऑल पार्टी हुर्रियत कांफ्रेंस की स्थापना की गई। एनआईए के मुताबिक हाफिज सईद ने हुर्रियत कांफ्रेंस के नेताओं के साथ मिलकर हवाला और दूसरे चैनलों के जरिये आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए धन का लेन-देन किया। इसका उपयोग घाटी में अशांति फैलाने, सुरक्षा बलों पर हमला करने, स्कूलों को जलाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में किया। इसकी सूचना गृह मंत्रालय को मिलने के बाद एनआईए ने भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, 121, 121ए और यूएपीए की धारा 13, 16, 17, 18, 20, 38, 39 और 40 के तहत केस दर्ज किया था।

नीट अभ्यर्थियों से एमबीबीएस दाखिले के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा, डॉक्टर समेत चार गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नीट अभ्यर्थियों को एमबीबीएस में दाखिला दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में डॉक्टर समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से 18 छात्रों को मुक्त कराया गया, जिनमें कई नाबालिग भी शामिल हैं। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने सोमवार को बताया कि आरोपित छात्रों और उनके अभिभावकों को मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने का भरोसा देकर 20 से 30 लाख रुपये तक की मांग करते थे। इसके बदले वे नकद राशि, 10वीं-12वीं की मूल मार्कशीट और खाली हस्ताक्षरित चेक ले लेते थे। मामले का खुलासा गुजरात पुलिस से मिली सूचना के बाद हुआ। सूचना थी कि एक व्यक्ति दिल्ली में रहकर नीट-यूजी 2026 के जरिए मेडिकल कॉलेज में दाखिला कराने का दावा कर रहा है। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने महिपालपुर क्षेत्र के करीब 100 होटलों में तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान गुजरात से आए कुछ लोग एक होटल में मिले। पूछताछ में उन्होंने बताया कि आरोपितों ने उनके बच्चों का एमबीबीएस में दाखिला कराने का भरोसा देकर उनसे पैसे और दस्तावेज लिए हैं। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि छात्रों को "महत्वपूर्ण प्रश्नपत्र" देने के बहाने अभिभावकों से अलग कर एक स्थान पर रखा गया है। इसके बाद पुलिस ने गाजियाबाद के मणिपाल अस्पताल के पास जाल बिछाकर मास्टरमाइंड संतोष कुमार जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया और तीन छात्रों को छुड़ाया। आगे की कार्रवाई में गाजियाबाद के एक फ्लैट पर छापा मारकर 15 और छात्रों को बरामद किया गया। इनमें कुछ छात्र अगले दिन होने वाली नीट परीक्षा में शामिल होने वाले थे। पुलिस ने उन्हें काउंसलिंग के बाद परीक्षा देने भेजा। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान संतोष कुमार जायसवाल, डॉ. अखलाक आलम उर्फ गोल्डन आलम, संत प्रताप सिंह और विनोद भाई पटेल के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से 149 पन्नों के फर्जी प्रश्नपत्र/स्टडी मटेरियल, पीड़ितों के साइन किए हुए तीन ब्लैंक चेक और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं।पूछताछ में सामने आया कि संतोष जायसवाल इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड है। डॉ. अखलाक पुराने प्रश्नपत्रों और कोचिंग संस्थानों के प्रश्न बैंक से फर्जी पेपर तैयार करता था। संत प्रताप सिंह ने ठहरने और बैठकों के लिए फ्लैट उपलब्ध कराया था, जबकि विनोद पटेल गुजरात में अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें फंसाता था। क्राइम ब्रांच अब गिरोह के अन्य सदस्यों और बिचौलियों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि दाखिले के नाम पर किसी भी फर्जी दावे और शॉर्टकट के झांसे में न आएं।

ट्रैफिक इंस्पेक्टर की तत्परता से बची हादसे में घायल स्कूटी सवार की जान

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एक अधिकारी की सूझबूझ और मानवीय पहल से सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल एक स्कूटी सवार की जान बच गई। हादसा दो मई की रात बुराड़ी फ्लाईओवर पर हुआ, जहां ड्यूटी खत्म कर लौट रहे ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई।ट्रैफिक पुलिस से सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार, उत्तरी रेंज में तैनात ट्रैफिक इंस्पेक्टर यशपाल भाटी शुक्रवार रात करीब 10:30 से 11 बजे के बीच ड्यूटी समाप्त कर लौट रहे थे। इसी दौरान बुराड़ी फ्लाईओवर पर उन्होंने देखा कि एक स्कूटी सवार सड़क डिवाइडर से टकराकर सड़क पर अचेत अवस्था में पड़ा है। उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें थीं तथा हालत बेहद नाजुक थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर यशपाल भाटी ने बिना समय गंवाए अपने चालक सिपाही साहदेव के साथ घायल को सरकारी वाहन में बैठाकर तुरंत सिविल लाइंस स्थित ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, घायल की हालत इतनी गंभीर थी कि एंबुलेंस का इंतजार करना जोखिम भरा हो सकता था, इसलिए तत्काल अस्पताल ले जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही पुलिसकर्मियों ने घायल के मोबाइल फोन के जरिए उसके परिजनों से भी संपर्क किया और हादसे की सूचना दी। घायल की पहचान पश्चिम विनोद नगर निवासी 40 वर्षीय विनोद चंद्र पुजारी के रूप में हुई है। अस्पताल में भर्ती कराने के बाद डॉक्टरों ने उसका तत्काल उपचार शुरू किया। पुलिस के अनुसार, डॉक्टरों ने बताया कि समय रहते अस्पताल पहुंचाए जाने के कारण घायल की जान बच सकी। वर्तमान में उसकी हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। घायल के परिजनों ने ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों की संवेदनशीलता और तत्परता के लिए आभार जताया है।

शांति सेवा न्याय
Delhi Police
SHANTI SEWA NYAYA

'ग्लोबल साउथ' के साथ रिश्तों को और मजबूत बनाएगा जयशंकर का जमैका दौरा

लोकतंत्र की शान

किंग्स्टन। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच बुनियादी ढांचे, डिजिटल तकनीक, स्वास्थ्य, अक्षय ऊर्जा और मानव विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने जैसे अहम विषय को लेकर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने जमैका की अपनी समकक्ष कामिना जे. स्मिथ से मुलाकात की। विदेश मंत्री जमैका की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर हैं, जो 2 से 10 मई तक चलने वाले उनके तीन देशों के कैरेबियाई दौरे का पहला चरण है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना और 'ग्लोबल साउथ' के देशों के साथ भारत की पहुंच बढ़ाना है। डॉ. जयशंकर ने जमैका के ऐतिहासिक सबीना पार्क स्टेडियम के लिए भारत की ओर से एक इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड भेंट किया। उन्होंने जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस के साथ इसका अनावरण करते हुए क्रिकेट को दोनों देशों की दोस्ती का प्रतीक बताया। उन्होंने ऐतिहासिक ओल्ड हार्बर का दौरा भी किया, जहां 180 साल पहले पहले भारतीय मूल के 'गिरमिटिया' समुदाय के लोग पहुंचे थे। डॉ. जयशंकर ने 3 सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा जमैका की अपनी पहली यात्रा के लिए किंग्स्टन पहुंचकर मुझे बहुत खुशी हुई। विदेश मंत्री कामिना जे. स्मिथ द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से मैं अभिभूत हूं। अगले दो दिनों में जमैका के नेतृत्व, व्यापारिक समुदाय और भारतीय प्रवासियों के सदस्यों के साथ बातचीत करने के लिए मैं उत्सुक हूं। उन्होंने आगे लिखा ओल्ड हार्बर का दौरा करके मुझे बहुत प्रसन्नता हुई; यह वह ऐतिहासिक स्थल है, जहां 180 वर्ष से भी पहले सबसे पहले भारतीय जमैका पहुंचे थे। मैंने भारतीय प्रवासियों के सदस्यों के साथ बातचीत की और यह देखा कि उन्होंने अपनी संस्कृति, परंपराओं और पहचान को किस तरह सहेजकर रखा है। अपनी गरिमामयी उपस्थिति के लिए मैं मंत्रियों ओलिविया बैब्सी ग्रेंज और एडमंड बार्टलेट का आभार व्यक्त करता हूं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा विदेश मंत्री की इस यात्रा का उद्देश्य जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के साथ भारत के राजनीतिक जुड़ाव की गति को बनाए रखना और इन देशों के साथ हमारे लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करना है। यह यात्रा 'दक्षिण-दक्षिण सहयोग' और विकास के प्रति हमारी आपसी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

संक्षिप्त समाचार

तीन राज्यों में भाजपा सरकार चेयरमैन आवास पर मनाया गया जश्न

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर : सोमवार को पांच राज्यों के चुनाव नतीजे में से तीन राज्यों में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने पर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने अपने कैंप कार्यालय पर कार्यकर्ताओं संग जश्न मनाते हुए मिष्ठान का वितरण किया, इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिंदाबाद, जय श्री राम आदि के नारे लगाए तथा पालिका अध्यक्ष को फूल मालाओं से लाद दिया, वहीं पालिका अध्यक्ष ने भी सभी कार्यकर्ताओं को माला पहनकर उनका आभार व्यक्त किया और मिठाई खिलाई तथा बधाई दी, वहीं उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मेहनत रंग लाई है जिसके चलते पश्चिम बंगाल में ममता राज खत्म हो गया और बीजेपी की जीत हुई है सनातन की जीत हुई है, वहीं उन्होंने पश्चिम बंगाल सहित असम और पुडुचेरी में भाजपा सरकार बनने पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी और शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया, इस मौके पर मुख्य रूप से पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, लोकेश अग्रवाल, संजय सहदेव, सचिन गुप्ता, अर्पण गुप्ता, पंकज भटनागर, रानू रस्तोगी, मोहसिन लोधी, नितिन सैनी,मुकुल अग्रवाल, इशांत सैनी, राहुल सैनी, प्रशांत सैनी, विक्रांत शर्मा संजीव सैनी, राकेश सैनी आदि सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

भाकियू भारत भूमि के जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय पर सौपा गया ज्ञापन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः सोमवार को भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी के नेतृत्व में किसानों एवं जनमानस से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर एक पांच सूत्रीय ज्ञापन हसनपुर एसडीएम कार्यालय पर दिया गया, ज्ञापन देने से पूर्व भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के कार्यकर्ताओं ने तहसील गेट से लेकर एसडीएम कार्यालय तक जमकर नारे वाजी की, वही ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि बिजली के स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाएं तथा स्मार्ट मीटरो के बढ़कर आ रहे बिलों को को सही कराया जाए, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे विद्युत आपूर्ति की जाए साथ ही गैस की बढ़ती हुई कीमतों तथा कालाबाजारी को रोका जाए तथा होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाए, वही गंगा एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड का जीणोद्धार कराया जाए एवं आवारा पशुओं को गौशाला भिजवाये जाने आदि की मांगों को लेकर एसडीएम की अनुपस्थिति में नायब तहसीलदार को ज्ञापन दिया गया, वही इस संबंध में जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी ने बताया कि यदि जल्दी मांगों को नहीं माना गया तो संगठन उग्र आंदोलन करने को तैयार होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी, इस मौके पर मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी, अफसर अली, अब्दुल कादिर, फिरासत अली, इसरार खान, रेहान अली, मोहम्मद अफसर, राजा हुसैन, फहद अली, रियासत, मोहम्मद यामीन, अबरार अली आदि सहित दर्जनों की संख्या में भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

सीतापुर में सरकारी सर्जिकल स्ट्राइकः अरबों की 'प्लाईवुड फैक्ट्री' अब उत्तर प्रदेश सरकार की, निजी दावेदारों के उड़े होश

लोक तंत्र की शान : सीतापुरः जनपद के हुसैनगंज स्थित ऐतिहासिक मेसर्स प्लाईवुड प्रोडक्ट्स फैक्ट्री की जमीन को लेकर चल रहा दशकों पुराना कानूनी विवाद सोमवार को समाप्त हो गया। जिलाधिकारी राजागणपति आर के न्यायालय ने एक ऐतिहासिक निर्णय सुनाते हुए फैक्ट्री की कुल 5.697 हेक्टेयर (लगभग 14 एकड़) भूमि को उत्तर प्रदेश राज्य सरकार में निहित करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि विदेशी भागीदारों के भारत छोड़ने के बाद यह संपत्ति 'बोना वेकेंटिया' (स्वामी विहीन संपत्ति) की श्रेणी में आती है, जिस पर किसी भी निजी पक्ष का दावा वैध नहीं है,जिलाधिकारी न्यायालय ने अपने 34 पृष्ठों के विस्तृत आदेश में बताया कि वर्ष 1983, 1984 और 1985 के दौरान विदेशी भागीदारों के अंशों को जाफरुल्ला समूह को हस्तांतरित करने की कोशिश की गई थी। हालांकि, यह हस्तांतरण विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 की धारा 31 के तहत भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व अनुमति के बिना किया गया था। सुप्रीम कोर्ट के नजीरों का हवाला देते हुए डीएम ने इन सभी हस्तांतरणों को शून्य घोषित कर दिया, जिससे जाफरुल्ला परिवार के स्वामित्व के दावों की नींव ही ढह गई।

भीष्म सिंह खड़कवंशी ने तीन राज्यों में भाजपा की प्रचंड जीत पर बाटी मिठाइयां

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः सोमवार को पश्चिम बंगाल, असम पांडिचेरी जैसे तीन राज्यों में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने पर बीजेपी जन कल्याण मंच अमरोहा के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी ने अपने कैंप कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ जश्न मनाते हुए मिठाई बाटी, इस मौके पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाई तथा बधाई दी वहीं कार्यकर्ताओं ने भी जिला अध्यक्ष को मिठाई खिलाई, इस मौके पर उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता राज खत्म हो गया अब वहां भाजपा युग का प्रारंभ हुआ है तथा पश्चिम बंगाल में अब खेला नहीं विकास होगा, वहीं उन्होंने भाजपा शीर्ष नेतृत्व सहित सभी भाजपा कार्यकर्ताओं एवं देश की जनता को भाजपा की प्रचंड जीत और सरकार बनने पर शुभकामनाएं प्रेषित की हैं, साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी 2027 के चुनाव में उत्तर प्रदेश में भी भाजपा की योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी, उन्होंने बताया कि अब पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में विकास की गंगा वहेगी तथा जिन राज्यों में भाजपा की सरकार नहीं बन पाई है आगामी समय में उनमें भी भाजपा की सरकार बनेगी, उन्होंने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए सभी को बधाई दी, उन्होंने बताया कि बीजेपी जन कल्याण मंच के कार्यकर्ताओं ने पूरे जिले में भाजपा की तीन राज्यों में सरकार बनने पर जश्न मनाया है, इस मौके पर बीजेपी जन कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी, राजीव त्यागी, हरिओम सिंह, हरीराज राणा, भूपेंद्र राणा, नंदकिशोर सिंह, गोविंद राणा, ललित राणा, मनीष राणा, लाल सिंह आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

सीएम योगी के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर खिले अभ्यर्थियों के चेहरे

लोक तंत्र की शान

उत्तर प्रदेश में पारदर्शी एवं निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया को मजबूती देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन में आयोजित भव्य कार्यक्रम में सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा विभाग तथा स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के लिए चयनित कुल 500 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवाओं के चेहरे पर उत्साह और गर्व साफ झलक रहा था।

योगी सरकार में सिफारिश या दबाव की नहीं पड़ती जरूरत-नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चयन होना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक गर्व की बात यह है कि उन्हें स्वयं मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र प्राप्त हुआ। लखनऊ की आयुषी त्रिपाठी ने कहा कि यह उनके जीवन का ऐतिहासिक क्षण है। योगी सरकार में भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी है, जहां किसी सिफारिश या दबाव की जरूरत नहीं पड़ती। आयुषी ने युवाओं को संदेश दिया कि वे मेहनत और ईमानदारी से तैयारी करें, सफलता अवश्य मिलेगी।

बच्चों को बढ़ाएं, शिक्षित-समृद्ध-सशक्त भारत बनाएंः मुख्यमंत्री

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश भर से पहुंचे फरियादियों से मुलाकात की और आश्वस्त किया कि सरकार हर उचित समस्या का समाधान कराएगी। जनता दर्शन में माता-पिता के साथ आए बच्चों की शिक्षा के बारे में पूछा और अभिभावकों से कहा कि बच्चों को अवश्य पढ़ाइए। शिक्षित बच्चा ही समृद्ध भारत का निर्माण करेगा। अवैध कब्जे की शिकायत पर मुख्यमंत्री सख्त हो गए, उन्होंने तत्काल जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

सरकार सुविधा दे रही, आप बच्चों को पढ़ाइए-जनता दर्शन में अभिभावकों के साथ कुछ छोटे बच्चे भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने पूछा कि किस क्लास में पढ़ रहे हैं। इस पर जवाब आया कि अभी एडमिशन नहीं कराया है। सीएम ने इसकी वजह जाननी चाही, लेकिन उन्हें संतुष्टिपरक जवाब नहीं मिला तो उन्होंने अभिभावकों से कहा कि प्रदेश में पिछले 9 साल में शिक्षा का स्तर काफी सुधरा है। बेसिक हो या माध्यमिक, हर जगह बच्चों को गुणवत्ता के आधार पर शिक्षा प्रदान की जा रही है। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों के बच्चों को शिक्षा के साथ ही ड्रेस, कॉपी-किताब, जूते-मोजे आदि के लिए अभिभावकों के खाते में 1200 रुपये दिए जा रहे हैं। बच्चों को ताजा पौष्टिक मिड-डे मील भी मिल रहा है। आप बच्चों का एडमिशन कराइए और हर हाल में स्कूल भेजिए।

कानपुरः महिला के घर में घुसकर जान-माल की धमकी देने का आरोप, CCTV में कैद हुए आरोपी

लोक तंत्र की शान, स्टेट ब्यूरो अवनीत कुमार शर्मा

कानपुर। गुजैनी थाना क्षेत्र के पिपौरी गांव में रहने वाली खुशी सैनी ने कुछ लोगों पर घर में घुसकर धमकाने और जान-माल से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि आरोपी जबरन घर के अंदर घुस आए और उसे डराते-धमकाते हुए गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। पीड़िता खुशी सैनी के अनुसार, आरोपियों की धमकियों से वह और उसका परिवार दहशत में है। महिला ने आरोपियों से जान के खतरे की आशंका जताते हुए पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में आरोपी कैद हो गए, जिसके आधार पर महिला ने पुलिस को शिकायत दी है। पीड़िता ने गुजैनी थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। शिकायत में महिला ने नीलेश कुमार, स्वाति अवस्थी और एक अन्य साथी पर घर में घुसकर धमकाने का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है, जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मामलाः पिपौरी गांव, थाना गुजैनी, कानपुर

आरोपीः नीलेश कुमार, स्वाति अवस्थी व एक अन्य

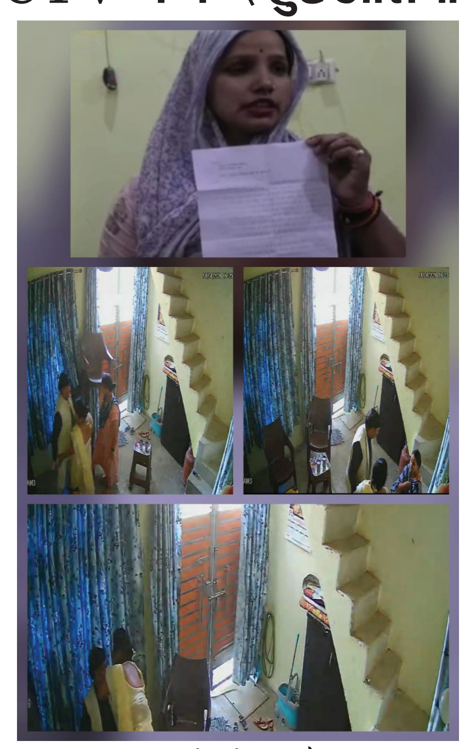

सबूतः CCTV फुटेज में घटना कैद

वार्ड नं. 31 में विकास कार्यों का निरीक्षण, चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान की सक्रियता से जनता में उत्साह

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल : नगर पालिका परिषद के वार्ड नं. 31 में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों का आज जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया गया। इस दौरान चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान एवं समाजसेवी इब्राहिम अंसारी मौके पर पहुंचे और कार्य की गुणवत्ता, गति तथा मानकों का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास कार्यों पर संतोष जताया और कहा कि लंबे समय बाद ऐसा नेतृत्व मिला है जो केवल वादे नहीं, बल्कि धरातल पर काम करके दिखा रहा है। चौधरी मुशीर अली खान को क्षेत्र में "विकास पुरुष" के रूप में जाना जा रहा है, जो हर वार्ड में खुद पहुंचकर कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता की सुविधाओं को सर्वोपरि रखते हुए हर कार्य तय समय सीमा में पूर्ण कराया जाए। वहीं, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी की कार्यशैली की भी क्षेत्र में सराहना हो रही है। उनके कुशल नेतृत्व और प्रशासनिक क्षमता के चलते विकास कार्यों में तेजी आई है और पारदर्शिता के साथ योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। जनता के बीच लगातार सक्रिय रहकर विकास कार्यों को गति देने वाले चौधरी मुशीर अली खान ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे केवल जनप्रतिनिधि ही नहीं, बल्कि लोगों के दिलों में बसने वाले सच्चे जनसेवक हैं। वार्ड नं. 31 का यह निरीक्षण सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि विकास के प्रति गंभीरता और प्रतिबद्धता का प्रतीक बना। नगर में जिस तरह से विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ी है, उससे साफ है कि आने वाले समय में संभल शहर नई पहचान के साथ उभरकर सामने आएगा।

अमरोहा में बीजेपी जन कल्याण मंच के कार्यकर्ताओं ने तीन राज्यों में भाजपा सरकार बनने पर मनाया जश्न

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहाः सोमवार को अमरोहा नगर में नगर अध्यक्ष बीजेपी जन कल्याण मंच कांता सैनी के आवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल, असम तथा पांडिचेरी में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने पर मिठाई बाटकर खुशी का इजहार किया, वहीं बीजेपी जन कल्याण मंच महिला मोर्चा अमरोहा की जिला मंत्री अंशिका ने पश्चिम बंगाल, असम पांडिचेरी में भाजपा सरकार बनने पर अपने आवास पर महिला साथियों के साथ एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी, इस मौके पर हिमांशु सैनी, नगर महामंत्री अमरोहा, विजेंद्र कुमार, नगर मंत्री गीता सैनी, लक्ष्मी सैनी, रेखा सैनी, प्रकाशो सैनी, उषा सैनी, जागवती सैनी, उदयपाल सैनी, यशपाल सैनी, रूपचंद आदि सहित दर्जनों की संख्या में बीजेपी जन कल्याण मंच के कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

रामपुरः मिलक खाना पीएचसी सरकारी अस्पताल बदहाल, मरीजों को भारी परेशानी

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुरः जनपद के मिलक खाना स्थित पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) सरकारी अस्पताल की हालत लगातार खराब होती जा रही है। अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल पा रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में ना पंखों की व्यवस्था है, ना पर्याप्त लाइट की सुविधा, जिससे मरीजों को गर्मी और अंधेरे में इलाज कराने को मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं अस्पताल की बिल्डिंग भी जर्जर हालत में है, जिसकी मरम्मत लंबे समय से नहीं कराई गई है। सूत्रों के अनुसार अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी प्रभारी द्वारा कई बार लिखित रूप से संबंधित विभाग और पीएससी कार्यालय को अवगत कराया गया, लेकिन इसके बावजूद अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अस्पताल प्रशासन की ओर से बार-बार शिकायत के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। मरीजों और तीमारदारों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में इलाज की उम्मीद लेकर लोग पहुंचते हैं, लेकिन सुविधाओं के अभाव में उन्हें बेहद कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। गर्मी के मौसम में पंखे और बिजली की कमी मरीजों की हालत और बिगाड़ सकती है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि अस्पताल में तत्काल पंखे, लाइट की व्यवस्था कराई जाए और भवन की मरम्मत कराकर अस्पताल को सुचारू किया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। फिलहाल इस मामले में स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

मुरादाबाद नेशनल हाईवे पर अज्ञात वाहन ने कार में मारी टक्कर चार घायल, एक घंटे बाद पहुंची एंबुलेंस सड़क पर ही पड़े रहे घायल

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

मुरादाबाद। दिल्ली लखनऊ नेशनल हाईवे पर सुबह के समय अज्ञात वाहन ने कार में पीछे से टक्कर मार दी, टक्कर लगने से कार में बैठे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए,कार सवार निलावा पुत्र मजूमदार निवासी सेक्टर 17 गुरगांव ने बताया कि वह नैनीताल में घूमने जा रहे थे, सुबह लगभग 7:00 बजे के करीब वह ज़ीरो प्वाइंट ओवरब्रिज के करीब पहुंचे ही थे कि पीछे से अज्ञात ट्रक ने कार में टक्कर मार दी टक्कर लगने के बाद कार छतिग्रस्त हो गई और कार में बैठे लोग घायल हो गए, समय से अगर कार के एयरबेग नहीं खुलते तो बड़ी दुर्घटना घट जाती,रोड से निकल रहे राहगीरों ने कार से धुआं निकलता हुआ देख कार सवारों को बाहर निकाला और पुलिस हाईवे की एंबुलेंस को सूचना दी, पुलिस मौके पर पहुंच गई मगर हाईवे की एंबुलेंस को टोल प्लाजा से पहुंचने में एक घंटा लग गया, कार चालक नीरज, मीता कौर पत्नी प्रशांत कौर, पायल कौर पुत्री पुरशांत कौर, निलावा पुत्र मजूमदार घायल अवस्था में एक घंटे तक हाइवे किनारे पड़े तड़पते रहे, मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया, राहगीरों का कहना है कि समय से दुर्घटना पर मौके पर एंबुलेंस के नहीं पहुंचने से घायल रोड पर ही दम तोड़ देते हैं, सड़क दुर्घटना के तुरंत बाद सूचना मिलने पर भी हाईवे की एंबुलेंस को पहुंचने में घंटा भर लग जाता है, सड़क दुर्घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई,फायर ब्रिगेड के चालक रुपेंद्र कुमार, फायरमैन सोनू चौधरी, फायरमैन कपिल कुमार, नितेश खोकर ने बताया कि उन्हें हाईवे पर सड़क दुर्घटना की जानकारी मिली जिस पर वह फायर ब्रिगेड की गाड़ी लेकर मौके पर पहुंच गए,

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में अवैध संबंध में पत्नी की गला दबाकर हत्या, एनिवर्सरी के 4 दिन पहले घटना

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। भगवानपुर थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव में एक पति पर अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगा है। मृतका की पहचान लक्ष्मी कुमारी के रूप में हुई है। यह घटना उनकी शादी की पहली सालगिरह से महज चार दिन पहले हुई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। परिजनों का आरोप है कि लक्ष्मी के पति शुभम राज का पड़ोस की एक महिला के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। आरोप है कि जब लक्ष्मी ने इस रिश्ते का विरोध किया, तो शुभम ने उसकी हत्या कर दी। मृतका के भाई दीपक कुमार ने बताया कि उनकी बहन की शादी 8 मई 2025 को शुभम राज से हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शुभम ने केवल सामाजिक दबाव में यह शादी की थी, जबकि उसका झुकाव पहले से ही किसी अन्य महिला की ओर था। दीपक के मुताबिक, कई बार पंचायत के जरिए दोनों के बीच सुलह कराने की कोशिश की गई, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही मायके पक्ष में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि उन्हें इस घटना की सूचना गांव के एक रिश्तेदार से मिली, जिसके बाद वे तुरंत ससुराल पहुंचे। मामले में कार्रवाई करते हुए सदर एसडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया कि पुलिस को रतनपुर गांव में एक महिला की संदिग्ध मौत की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि शव बेड के कमरे में पलंग पर रखा हुआ था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है। साथ ही, एफएसएल टीम को बुलाकर घटनास्थल से वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए गए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। मृतका के परिजनों द्वारा लगाए गए अवैध संबंध के आरोप को भी जांच में शामिल किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

2 क्रिमिनल गिरफ्तार, अवैध हथियार बरामद, गांधी चौक पर ऑटो ड्राइवर से लूटपाट मामले में एक्शन

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने नगर थाना क्षेत्र से दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इन पर 29 अप्रैल को गांधी चौक के पास एक टेम्पो चालक से मारपीट और लूटपाट का आरोप है। पुलिस ने इनके पास से एक देशी पिस्टल और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। इस संबंध में नगर थाना में कांड संख्या 399/26 दर्ज किया गया था। सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम का नेतृत्व सदर-1 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुबोध कुमार ने किया, जिसमें नगर थानाध्यक्ष भी शामिल थे। टीम ने मानवीय खुफिया जानकारी और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गहन अनुसंधान किया। इसके बाद, इस घटना में शामिल मयंक कुमार उर्फ मयंक निषाद (पिता दीपक सहनी, निवासी नखास चौक, नगर थाना, वैशाली) और राजू कुमार (पिता रमेश महतो, निवासी बागमल्ली, नगर थाना, वैशाली) को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अपराधियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। गिरफ्तार राजू कुमार का आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर गंगाब्रिज थाना में आर्म्स एक्ट (कांड संख्या 48/23) और डकैती (कांड संख्या 35/23) के मामले दर्ज हैं। इसके अतिरिक्त, राजापाकड़ थाना में भी उस पर आर्म्स एक्ट (कांड संख्या 50/23) का मामला दर्ज है। मयंक कुमार पर नगर थाना में आर्म्स एक्ट (कांड संख्या 776/25), चोरी (कांड संख्या 242/24) और डकैती (कांड संख्या 245/24) के मामले दर्ज हैं।

रायफल के साथ युवक गिरफ्तार, घर में छिपाकर रखने की सूचना थी, एसटीएफ ने की छापेमारी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक अपराधी को अवैध देशी रायफल के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बीरपुर निवासी अनिल कुमार के रूप में हुई है। उसके पास से एक .303 बोर की देशी रायफल बरामद की गई है। सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि पुलिस को 3 मई 2026 को एसटीएफ के माध्यम से गुप्त सूचना मिली थी। सूचना में बताया गया था कि अनिल राय अपने घर में अवैध हथियार छिपाकर रखे हुए है और किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है। इस सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक टीम का गठन किया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1 सुबोध कुमार के नेतृत्व में जुड़ावनपुर थानाध्यक्ष भी इस टीम में शामिल थे। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान अनिल कुमार, पिता विश्वनाथ राय, निवासी बीरपुर, थाना जुड़ावनपुर, जिला वैशाली को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से एक अवैध .303 देशी रायफल बरामद हुई। पूछताछ में अनिल कुमार ने अवैध रायफल के स्रोत के बारे में जानकारी दी है। इस संबंध में जुड़ावनपुर थाना में कांड संख्या 90/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। अनिल कुमार का आपराधिक इतिहास भी है। उसके खिलाफ जुड़ावनपुर थाना कांड संख्या 137/25 पहले से दर्ज है।

1 लाख से ज्यादा स्व-गणना, अब घर-घर जा रही सर्वे टीम, जनगणना के लिए हर परिवार से पूछे जा रहे 33 सवाल

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में जनगणना को लेकर अब जमीनी स्तर पर काम तेज हो गया है। 1 मई तक जहां 1,09,797 लोगों ने स्व-गणना (Self Enumeration) पूरी कर ली, वहीं 2 मई से प्रगणकों की टीम घर-घर पहुंचकर सर्वे कर रही है। प्रशासन ने इसे बेहद गंभीरता से लेते हुए साफ कर दिया है कि एक भी परिवार या व्यक्ति गणना से छूटना नहीं चाहिए। किस तरह से सर्वे का काम किया जा रहा, ये जानने के लिए हम मुजफ्फरपुर के मिठनपुरा इलाके में पहुंचे, जहां टीम गणना के काम में जुटी थी। जब हमारी टीम नगर निगम क्षेत्र में पहुंची, तो देखा कि प्रगणक (Enumerator) घर-घर जाकर लोगों से बातचीत कर रहे हैं। हाथ में मोबाइल-टैब लिए ये कर्मचारी हर परिवार से निर्धारित सवाल पूछकर डेटा दर्ज कर रहे हैं। कई जगह लोग खुद जानकारी देने के लिए तैयार मिले, तो कुछ जगह प्रगणकों को विस्तार से समझाना पड़ रहा था कि यह प्रक्रिया क्यों जरूरी है। नगर निगम क्षेत्र में गणना कर रहे टीम सुपरवाइजर रोहित कुमार ने बताया कि हर प्रगणक को उसका क्षेत्र (HLB) आवंटित कर दिया गया है। हर घर से कुल 33 बिंदुओं (प्रश्नों) पर जानकारी ली जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार का कन्फ्यूजन न रहे और एक समान डेटा इकट्ठा हो सके। रोहित कुमार ने स्पष्ट किया कि अभी किसी भी तरह के डॉक्यूमेंट की फिजिकल जांच नहीं की जा रही है। लोगों से अपील की गई है कि वे सही और सटीक जानकारी दें, ताकि डेटा विश्वसनीय हो सके। अक्सर यह सवाल सामने आता है कि अगर घर का मुखिया बाहर हो तो क्या होगा? इस पर टीम ने बताया कि ऐसे मामलों में घर के अन्य सदस्य उनसे संपर्क कर जानकारी देंगे और गणना पूरी की जाएगी। यदि घर के मुखिया की मृत्यु हो चुकी है, तो परिवार के अन्य प्रमुख सदस्य के नाम से गणना की जाएगी और पूरी जानकारी दर्ज की जाएगी। जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि सभी प्रगणक घर-घर जाकर सही, सटीक और प्रमाणिक जानकारी जुटाएं और उसे डिजिटल माध्यम में दर्ज करें। उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़े ही भविष्य की योजनाओं और नीतियों की आधारशिला होते हैं, इसलिए इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि कोई भी व्यक्ति या परिवार गणना से वंचित न रह जाए।

युवक की गोली मारकर हत्या सिर और सीने में दो गोली लगी

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के बिहटा थाना क्षेत्र के पैनाल पंचायत स्थित महमदपुर गांव में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घायल युवक को परिजनों ने तुरंत बिहटा के एनएसआईटी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मुन्ना राय के पुत्र अनिरोध राय के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार के साथ तीन थानों की पुलिस बल मौके पर पहुंची।

जिसके बाद पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि युवक को दो गोलियां लगी थीं, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस फिलहाल हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। इस वारदात के बाद गांव और आसपास के क्षेत्रों में भय का माहौल बना हुआ है। परिजनों के अनुसार, मृतक अनिरोध राय अपने तीन भाइयों में सबसे बड़ा था।

10 दिन पहले छोटे भाई की शादी थी

गौरतलब है कि 25 अप्रैल को ही उसके छोटे भाई की शादी हुई थी, जिससे परिवार में खुशी का माहौल था। यह खुशी अब मातम में बदल गई है। पुलिस मामले के हर पहलू से जांच कर रही है।

एसडीपीओ ने कहा- सिर और सीने में गोली लगी है: SDPO 2 अमरेंद्र कुमार झा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस को युवक गोली लगने की गुप्त सूचना मिली थी। जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। युवक को सिर और सीने में गोली लगी है।

पुलिस बोली- परिजनों के बयान में विरोधाभ्यास: SDPO 2 ने आगे बताया कि जब पुलिस मौके पर पहुंची तो युवक के परिजन ने बताया की युवक का एक्सीडेंट हो गया था जिसके बाद उसे NSIT हॉस्पीटल में भर्ती कराया गया है। परिजनों के बयान में विरोधाभ्यास है। घटना घर के बाहर घटी है। पुलिस टीम जांच में कर रही है। साथ ही FSL की टीम को बुलाया गया है। परिवार के लोग कुछ भी स्पष्ट नहीं बता रहे हैं।

पटना- दिन में छाया अंधेरा, गरज-चमक के साथ तेज बारिश

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार के कई जिलों में आंधी के साथ तेज बारिश हो रही। सोमवार को पटना समेत प्रदेश के 16 जिलों में बरसात हुई। पटना में दोपहर में ही अंधेरा छा गया। आंधी चलने से कई चीजें बिखर गईं। वहीं, आंधी से पटना एयरपोर्ट के बाहर टाइल्स टूटकर गिर गए। इसके अलावा नौबतपुर, बिहटा में भी तेज बारिश हो रही है। बारिश के बाद चारों ओर पानी भर गया।

मौसम विभाग ने आज पूरे बिहार में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें 15 जिलों के लिए रेड अलर्ट है, जबकि 19 जिलों के लिए यलो अलर्ट है। कई जिलों में 60KM/H की स्पीड से हवा चल सकती है। आकाशीय बिजली का भी अलर्ट है।

पटना का अधिकतम तापमान 29 डिग्री: बदलते मौसम के कारण अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। बिहार में फिलहाल अधिकांश जिलों का तापमान 34 से 38 डिग्री के बीच बना हुआ है। फिलहाल पटना का अधिकतम तापमान 29 डिग्री के आसपास है।

पंचायत चुनाव 2026 को लेकर प्रपत्र–1 का प्रकाशन, आपत्तियों के लिए तिथियां जारी

लोकतंत्र की शान

स एजेंसी, पटना हरसा |मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसाः समाहरणालय, सहरसा (जिला पंचायत कार्यालय) द्वारा पंचायत आम निर्वाचन 2026 की तैयारी के तहत महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की गई है। राज्य निर्वाचन आयोग, बिहार, पटना के निर्देशानुसार प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रवार जनसंख्या आंकड़ों पर आधारित प्रपत्र–1 का प्रारूप दिनांक 04 मई 2026 को प्रकाशित कर दिया गया है। यह प्रकाशन वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर तैयार किया गया है, जिसके अनुसार ग्राम पंचायत सदस्य, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य तथा ग्राम कचहरी के पंच/सरपंच के निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण किया जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सर्वसाधारण से दावा एवं आपत्तियां आमंत्रित की जाती हैं, हालांकि आपत्तियां केवल जनसंख्या आंकड़ों से संबंधित ही स्वीकार की जाएंगी।

समय-सारणी इस प्रकार है:

प्रपत्र-1 का प्रारूप प्रकाशनः 04 मई 2026

आपत्तियां दर्ज करने की अवधिः 04 मई 2026 से 18 मई 2026 तक

आपत्तियों का निष्पादनः 04 मई 2026 से 22 मई 2026 तक

अपील दायर करने की अवधिः 11 मई 2026 से 29 मई 2026 तक

प्रपत्र-1 का अंतिम प्रकाशनः 05 जून 2026

जिला गजट में प्रकाशनः 09 जून 2026

आपत्ति कहां जमा करें:, ग्राम पंचायत एवं पंचायत समिति सदस्य पद हेतुः संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी

जिला परिषद सदस्य पद हेतुः संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी

अपील प्राधिकार (ग्राम पंचायत/पंचायत समिति): अनुमंडल पदाधिकारी

अपील प्राधिकार (जिला परिषद): जिला पदाधिकारी

प्रशासन ने सभी संबंधित व्यक्तियों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के जनसंख्या आंकड़ों की जांच अवश्य कर लें और यदि कोई आपत्ति हो तो 18 मई 2026 तक लिखित रूप में संबंधित कार्यालय में जमा करें। जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सहरसा ने बताया कि अपीलों के निष्पादन के बाद प्रपत्र–1 का अंतिम प्रकाशन नियमानुसार किया जाएगा।

सहरसा में 41वां जिला एथलेटिक्स मीट 18 से 20 मई तक, खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर

लोकतंत्र की शान

सहरसा |मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसाः जिला एथलेटिक्स संघ, सहरसा के तत्वावधान में 41वां जिला एथलेटिक्स मीट 18 से 20 मई 2026 तक सहरसा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। संघ के सचिव रोशन सिंह धोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में जिले भर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे। इस एथलेटिक्स मीट में U-14, U-16, U-18, U-20, U-23 एवं ओपन आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए खिलाड़ियों का निबंधन अनिवार्य किया गया है, जिसकी अंतिम तिथि 15 मई 2026 निर्धारित की गई है। निबंधन शुल्क मात्र 20 प्रति खिलाड़ी रखा गया है। प्रतियोगिता में खिलाड़ी किसी एक आयु वर्ग में अधिकतम दो विधाओं में भाग ले सकते हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा तथा चयनित खिलाड़ियों को जून 2026 में पटना में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर भी मिलेगा। निबंधन फॉर्म जिला खेल कार्यालय, सहरसा स्टेडियम से सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अलावा साईं स्पोर्ट्स सुपर मार्केट, सहरसा से सुबह 9:00 बजे से रात 8:00 बजे तक फॉर्म उपलब्ध हैं, जहां जमा भी किए जा सकते हैं। जिला एथलेटिक्स संघ के उपाध्यक्ष सैयद समी अहमद ने बताया कि इस प्रतियोगिता में स्कूल, कॉलेज एवं बाहर के छात्र-छात्राएं भी भाग ले सकते हैं। वहीं, संघ के अध्यक्ष आर.के. सिंह (रबिंद्र कुमार सिंह, संस्थापक, श्री नारायणा मेडिकल कॉलेज) ने कहा कि सहरसा में खेल एवं चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और भविष्य में खिलाड़ियों को और बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत 60 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 600 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर एवं 3000 मीटर दौड़ के साथ-साथ ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक एवं भाला फेंक जैसी विभिन्न प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी।

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली (बिहार) में आइसेक्ट इंडिया का पाँचवाँ समर्थ भारत कॉन्क्लेव 2026 संपन्न

» **'विकसित भारत' के लक्ष्य हेतु कौशल, उद्यमिता और शिक्षा में निरंतर प्रयास आवश्यक**

लोकतंत्र की शान

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, भगवानपुर (वैशाली) में आयोजित आइसेक्ट का पाँचवाँ "समर्थ भारत कॉन्क्लेव" दिनांकः चार मई 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। "रीइमेजिनिंग इम्पैक्टः एआई-ड्रिवन स्किलिंग, फाइनेंशियल इंक्लूजन एवं सोशल एंटरप्राइज फॉर विकसित भारत" थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता एवं वित्तीय समावेशन के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं उद्घाटन सत्र के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. ब्रिजेश सिंह, श्री अम्ब्रिश झा एवं श्री प्रशांत राज ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अभिषेक गुप्ता (जीएम, प्रोजेक्ट्स), श्री मुनिश गोबिंद (रजिस्ट्रार, आईसेक्ट यूनिवर्सिटी), श्री संजय कुमार (पूर्व एमडी, बीएसडीएम) तथा श्री उमेश कुमार चौधरी (चीफ मैनेजर, एफआई) उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में श्री भावेश तिवारी (जीएम, डीआईसी) तथा प्रो. समित तिवारी (कुलपति, डॉ. सी. वी.

रमन विश्वविद्यालय, वैशाली) ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उद्घाटन सत्र में फाइनेंशियल इंक्लूजन ब्रोशर, फाइनेंशियल इंक्लूजन पर आधारित पुस्तक 'सफलता की कहानियां', "कौशल रथ" पुस्तक, "कौशल विकास यात्रा" बुलेटिन, पीटूई इम्पैक्ट रिपोर्ट एवं एनएसक्यूएफ वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन किया गया। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान फाइनेंशियल इंक्लूजन अवॉर्ड, एसकेपी अवॉर्ड तथा प्लेसमेंट ऑफर लेटर का वितरण किया गया, जिससे प्रतिभागियों में उत्साह का वातावरण बना रहा। कॉन्क्लेव में विभिन्न सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को कौशल विकास एवं उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई— कौशल विकास में उद्यमिता के अवसरः श्री अभिषेक गुप्ता ने सरकारी एवं कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी आधारित कार्यक्रमों में भागीदारी के अवसरों पर प्रकाश डाला। स्कूल एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्रामः श्री प्रशांत राज ने इस कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। द्वितीय सत्र में प्लेसमेंट एवं अप्रेंटिसशिप अवसरों पर श्री आयुष सिन्हा, फाइनेंशियल इंक्लूजन में उद्यमिता पर श्री धर्मेंद्र कुमार तथा जी2सी एवं बी2सी सेवाओं के अवसरों पर श्री नीरज सतपुते ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों में रोजगार, बैंकिंग सेवाओं, सीएससी/आस्क केंद्रों एवं बीमा सेवाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, ब्रेनी बियर फ्रेंचाइजी अवसरों के अंतर्गत प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में निवेश की संभावनाओं पर श्री अरुण शुक्ला ने जानकारी दी। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अवसरों पर चर्चा करते हुए श्री संजीत कुमार ने डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली में एडमिशन रेफरल एवं नई योजनाओं की जानकारी साझा की, जबकि डॉ. राहुल सिंह ने रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल में उपलब्ध नए अवसरों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बिहार को एआई-ड्रिवेन स्किलिंग का हब बनाना है, साथ ही राज्य को फाइनेंशियल समावेशन के एक प्रभावी मॉडल एवं सोशल एंटरप्रेन्योरशिप की प्रयोगशाला के रूप में विकसित करना आवश्यक है। यह कॉन्क्लेव कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता एवं डिजिटल सेवाओं के माध्यम से 'विकसित भारत' के निर्माण में बिहार की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को नए अवसरों, साझेदारी और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित किया।

पीयू छात्रसंघ अध्यक्ष को नहीं मिली कोर्ट से जमानत

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना यूनिवर्सिटी में 30 मार्च को तत्कालिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में हुए बवाल के बाद पुलिस ने छात्र संघ अध्यक्ष शांतनु शेखर समेत 6 छात्रों को नामजद आरोपी बनाया था। आज पटना के सिवतत्कालिनिल कोर्ट में सुनवाई थी, जिसमें कोर्ट ने छात्र संघ अध्यक्ष को जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद छात्र राजनीति में हलचल तेज हो गई है। विश्वविद्यालय परिसर में इसको लेकर विभिन्न प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

शांतनु शेखर ने कहा कि मामले की सुनवाई आगे भी जारी रहेगी और सभी पक्षों की दलीलों के आधार पर अगला निर्णय लिया जाएगा। मैं अब न्याय के लिए हाई कोर्ट जाऊंगा। मुझे उम्मीद थी कि सिविल कोर्ट में मुझे न्याय मिलेगा, क्योंकि मैंने कोई

बहुत बड़ा अपराध नहीं किया था। मैंने सिर्फ छात्र हितों की बात की थी। मगर मुझे सरकार के प्रेशर में प्रताड़ित किया जा रहा है। इससे मेरे छात्र संघ का कार्यकाल भी प्रभावित हो रहा है। मैं यूनिवर्सिटी के छात्रों को अभी तक कोई लाभ नहीं पहुंचा पा रहा हूं। ये बात मुझे खल रही है।

दरअसल, पीयू के नए प्रशासनिक और शैक्षणिक भवन (कला संकाय) के उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तत्कालीन उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना यूनिवर्सिटी के कैंपस में पहुंचे थे।

बेली रोड में जून महीने से शुरू होगी टनल खोदाई

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना मेट्रो प्रबंधन ने अंडरग्राउंड टनल निर्माण में तेजी लायी गई है। मोइनुल हक स्टेडियम से गांधी मैदान तक मेट्रो टनल की खोदाई सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है। अब बेली रोड में टनल बोरिंग मशीन (TBM) लॉन्च करने की तैयारी है। जून महीने से बेली रोड में अंडरग्राउंड स्टेशन के निर्माण के लिए टनल की खोदाई शुरू की जाएगी। इसके लिए सॉइल टेस्टिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मेट्रो प्रशासन ने संबंधित निर्माण स्थलों के पास बैरिकेडिंग शुरू कर दी है। इनकम टैक्स गोलंबर, विकास भवन और पटना जू के पास बैरिकेडिंग की गई है।

बेली रोड में जून से मेट्रो टनल का शुरू होगा निर्माणः पटना के नेहरू पथ (बेली रोड) पर आकाशवाणी मेट्रो स्टेशन से एक अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन विद्युत भवन को जोड़ेगी। विद्युत भवन के पास एक नया अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन बनाया जाएगा, जिससे सचिवालय क्षेत्र और आसपास के कार्यालयों को सीधी मेट्रो सुविधा मिलेगी। यह अंडरग्राउंड टनल विद्युत भवन से आगे विकास भवन, पटना जू, राजा बाजार और

रुकनपुरा होते हुए पाटलिपुत्र मेट्रो स्टेशन तक जाएगी। पाटलिपुत्र मेट्रो स्टेशन के बाद मेट्रो सेवा एलिवेटेड ट्रैक पर संचालित होगी। यह एलिवेटेड कारिडोर पाटलिपुत्र से आरपीएस मोड़ और सगुना मोड़ होते हुए दानापुर मेट्रो स्टेशन तक जाएगा।

मेट्रो प्रोजेक्ट के अंडरग्राउंड कॉरिडोर का अहम हिस्सा माने जाने वाला मोइनुल हक स्टेडियम से गांधी मैदान तक मेट्रो टनल की खोदाई सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है। वहीं, गांधी मैदान से आकाशवाणी तक टनल की खोदाई का काम लगभग 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है। राजेंद्र नगर, मोइनुल हक स्टेडियम, पटना विश्वविद्यालय, पीएमसीएच और गांधी

❐ **पटना मेट्रो लॉन्च करेगी टीबीएम मशीन, अंडरग्राउंड स्टेशन के निर्माण ने पकड़ी रफ्तार**

मैदान होते हुए अंडरग्राउंड टनल आकाशवाणी के पास पहुंचेगा। यहां से पटना जंक्शन तक मेट्रो का परिचालन अंडरग्राउंड ही रहेगा। इस साल के अंत तक प्रायॉरिटी कॉरिडोर पाटलिपुत्र बस टर्मिनल से पटना जंक्शन तक निर्माण कार्य पूरा करते हुए परिचालन शुरू करने की योजना है।

दूसरी ओर मोइनुल हक स्टेडियम से राजेंद्र नगर टर्मिनल के बीच लगभग 800 मीटर तक टनल निर्माण के लिए खुदाई शुरू हो गई है। रेलवे से अनुमति मिलने के बाद दिसंबर 2025 से रुका हुआ निर्माण का काम गति पकड़ा है। दरअसल, मोइनुल हक स्टेडियम से राजेंद्र नगर टर्मिनल होते हुए मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन के पहले तक लगभग 1800 मीटर लंबी टनल तैयार की जानी है। इस हिस्से में खुदाई के लिए पटना मेट्रो ने दो टनल बोरिंग मशीन (TBM) को लगाया था और काम तेजी से चल रहा था, लेकिन रेलवे से मंजूरी नहीं मिलने के कारण इसे रोकना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

नारनौल में अवैध ढाबों व कटों पर सख्ती, दो हफ्ते में कार्रवाई के निर्देश

ओवरलोडिंग और स्कूल वाहनों की भी होगी सख्त जांच

लोकतंत्र की शान : नारनौल। नारनौल में सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति और सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को लेकर आयोजित बैठक में उपायुक्त अनुपमा अंजली ने 152-डी एक्सप्रेसवे के किनारे बने अवैध ढाबों को तुरंत बंद कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही महावीर चौक से लहरोदा बाईपास तक बने अवैध कटों को दो सप्ताह के भीतर बंद करने के आदेश भी जारी किए गए हैं।बैठक में पुलिस अधीक्षक दीपक भी मौजूद रहे। उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों के प्रभावी पालन और अवैध कटों को बंद करने को लेकर पुलिस विभाग की कार्ययोजना प्रस्तुत की। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पुलिस और परिवहन विभाग मिलकर ओवरलोडिंग पर सख्ती से रोक लगाएं, ताकि सड़क हादसों में कमी लाई जा सके। इस दौरान सचिव आरटीए ने जानकारी दी कि अप्रैल माह में 274 ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब एक करोड़ 98 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उपायुक्त ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि जिला प्रशासन और सरकार का यह पहला दायित्व है। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में स्कूल बसों और कोचिंग वाहनों की नियमित जांच सुनिश्चित करें। खासतौर पर जिन बसों में छात्राएं सफर करती हैं, उनमें महिला परिचालक की नियुक्ति अनिवार्य रूप से की जाए। इसके अलावा बैठक में रेडक्रॉस सोसायटी के कार्यों की भी सराहना की गई। उपायुक्त ने बताया कि एक महीने के भीतर आठ हजार लोगों को प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण देना एक बड़ी उपलब्धि है, जो आपात स्थितियों में लोगों की मददगार साबित होगी।

यमुनानगर: तेज रफ्तार कार की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, चालक फरार

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर जिले के बुडिया क्षेत्र में सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से व्यक्ति की मौके पर ही जान चली गई। घटना के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान गांव रामपुर निवासी 65 वर्षीय पृथ्वी चंद के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही थाना बढ़िया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक के बेटे अक्षय ने बताया कि वह मजदूरी करता है और परिवार में तीन भाई-बहन हैं। उसने बताया कि उसके पिता बस अड्डे के पास स्थित एक किराना दुकान से सामान लेने गए थे। उस समय वह भी आसपास ही मौजूद था। अक्षय के अनुसार, सामान लेकर लौटते समय जब उसके पिता सड़क पार कर रहे थे, तभी नत्थनपुर की ओर से आ रही एक कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। वाहन तेज गति से चलाया जा रहा था और चालक ने नियंत्रण नहीं रखा। टक्कर इतनी तेज थी कि उसके पिता सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद वह मौके पर पहुंचा और राहगीरों की मदद से घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक कुछ दूरी पर वाहन रोककर उतरा, लेकिन भीड़ एकत्रित होते देख मौके से फरार हो गया। पुलिस ने परिजनों के बयान के आधार पर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

फतेहाबाद : रोडवेज चालकों को अग्निशमन विभाग में भेजने पर भड़के कर्मचारी,किया प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान : फतेहाबाद। हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन और एआईआरटीडब्ल्यूएफ के आह्वान पर रोडवेज कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को फतेहाबाद रोडवेज वर्कशॉप के गेट पर कर्मचारियों ने सुबह 10 से 12 बजे तक जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने सरकार और विभाग के खिलाफ नारेबाजी की और बाद में महाप्रबंधक को एक ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व डिपो प्रधान राजकुमार बीघड़, सचिव सुबेसिंह धनाना, सह सचिव विरेन्द्र कुलेरी, जोगिंद्र रेढू, इन्द्रपाल सहारण, सुनील लांधड़ी, सुरेश फौजी, जोगिन्द्र सोनी, राकेश सुथार और अन्य कर्मचारियों ने किया। यूनियन के नेताओं ने कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि दमकल कर्मचारियों की हड़ताल को आज 26 दिन हो चुके हैं लेकिन सरकार इनकी मांगों पर कोई संज्ञान नहीं ले रही है। प्रदेश प्रवक्ता पृथ्वी सिंह चाहर ने कहा कि फरीदाबाद केमिकल फैक्ट्री अग्निकांड में शहीद हुए दो फायर कर्मियों के साथ सरकार भेदभाव कर रही है। उसी हादसे में शहीद हुए पुलिसकर्मी को शहीद का दर्जा, नौकरी और आर्थिक सहायता दी गई, लेकिन फायर कर्मियों को अब तक कुछ नहीं मिला। इसी अन्याय के खिलाफ फायर कर्मी भूख हड़ताल पर हैं। रोडवेज चालकों की ड्यूटी जबरन अग्निशमन विभाग में लगाई जा रही है, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने तर्क दिया कि रोडवेज चालकों को भारी वाहन चलाने का अनुभव तो है, लेकिन उनके पास अग्निशमन के विशेष वाहनों को चलाने का तकनीकी प्रशिक्षण नहीं है। हाल ही में सोनीपत डिपो के एक चालक का उदाहरण देते हुए बताया गया कि ड्यूटी के दौरान वाहन से गिरने के कारण उसके पैर में गंभीर फ्रैक्चर हो गया। यूनियन ने मांग की है कि घायल चालक के इलाज का पूरा खर्च और मुआवजा अग्निशमन विभाग वहन करे और रोडवेज चालकों को तुरंत उनके मूल विभाग में वापस भेजा जाए। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि हरियाणा रोडवेज में पहले से ही चालकों की भारी कमी है। इसके बावजूद चालकों को दूसरे विभागों में भेजा जा रहा है, जिससे बसें डिपो में खड़ी रहती हैं।

जींद : तूफान व बारिश से टूटे पेड़ व गिरे बिजली के पोल

लोकतंत्र की शान : जींद। पश्चिमी विक्षोभ सक्रियता के चलते रविवार रात को तेज तूफान के साथ हुई बारिश ने जहां गर्मी से लोगों को राहत दिलाने का काम किया वहीं तूफान के कारण कई स्थानों पर होर्डिंग्स, फ्लैक्स, बोर्ड, पेड़ तथा बिजली के पोल टूट कर गिर गए। रविवार रात सबसे ज्यादा बारिश नरवाना में दर्ज की गई। जहां पर 32 एमएम बारिश दर्ज की गई। जींद मे 19 एमएम, जुलाना 08 एमएम, उचाना में दो एमएम, अलेवा में 4 एमएम, सफीदों व पिल्लूखेड़ा में बूंदाबांदी दर्ज की गई है।तूफान तथा बारिश के चलते कई स्थानों पर बिजली पोल तथा पेड़ टूट गए और बोर्ड तथा होर्डिंग उखड़ कर सडकों पर जा गिरे। बिजली गुल हो गई। काफी स्थानों पर तो 12 घंटे बाद भी बिजली बहाल नही हो पाई। जिसका असर पेयजल स्पलाई पर भी पडा। बिजली गुल रहने के कारण जरनेटर धड़धड़ाते रहे। बिजली गुल रहने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पडा। सोमवार को अधिकतम तापमान चार डिग्री गिर कर 32 डिग्री पर पहुंच गया जबकि न्यूनतम तापमान 22 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 39 प्रतिशत तथा हवा कि गति 16 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार आगामी तीन दिन तक मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। बादलवाई के साथ बूंदाबांदी तथा धूल भरी हवाएं भी चलेगी। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से चलते मौसम मे बदलाव आया है। छह मई तक मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। इस दौरान बारिश के साथ धूल भरी हवा की संभावना है।

उदयपुर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर खाली; एटीएस और पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी

लोकतंत्र की शान : उदयपुर। उदयपुर के जिला एवं सत्र न्यायालय को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गईं और तत्काल कार्रवाई करते हुए पूरे कोर्ट परिसर को खाली करा लिया गया। घटना के बाद से ही एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस), पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर डटी हुई हैं। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 8:30 बजे एक ईमेल के जरिये कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली।

कोतवाली पुलिस ने 2 शातिर चोर दबोचे, 2.50 लाख के जेवरात बरामद

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस ने ब्लाइंड चोरी के दो प्रकरणों का सफल खुलासा करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दिनांक 8 अप्रैल 2026 एवं 3 मई 2026 को कोतवाली क्षेत्र में घर एवं शादी समारोह स्थल से अज्ञात चोरों द्वारा सोने-चांदी के जेवरात चोरी किए जाने की घटनाएं सामने आई थीं। दोनों प्रकरणों में धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान सीसीटीव्ही फुटेज, लोकेशन ट्रैकिंग एवं तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने संदिग्धों की पहचान कर घेराबंदी की और दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने क्षेत्र में कई चोरी की घटनाएं करना स्वीकार किया। गिरफ्तार आरोपी अशोक सिंह 27 वर्ष निवासी उपनी, कृष्णा उर्फ नंदू कोल 20 वर्ष निवासी उरहत थाना अमहिया रीवा हाल पता कोटहा सीधी शामिल हैं। आरोपी कृष्णा उर्फ नंदू के विरुद्ध पूर्व में लगभग एक दर्जन आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात कुल कीमत लगभग 2 लाख 50 हजार बरामद किए गए हैं। दोनों आरोपियों को पृथक-पृथक अपराध में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय के नेतृत्व में उप निरीक्षक विवेक द्विवेदी, प्रआर तिलकराज सिंह, प्रआर जितेन्द्र पाठक, प्रआर संजय मौर्य, मप्र आरक्षक किरण मिश्र, आरक्षक बालेन्द्र सिंह एवं आरक्षक अनुराग यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सेमरिया क्षेत्र में आंगनवाड़ी का समय पर नहीं खुलता ताला

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के जनपद पंचायत सीधी अंतर्गत सेमरिया क्षेत्र में कई गांवों में आंगनवाड़ी केंद्रों का ताला नहीं खुल रहा है। इस पर विभागीय अधिकारी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। सेमरिया क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न गांवों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में गंभीर लापरवाही सामने आई है। कई केन्द्र समय पर नहीं खुलते और कार्यकर्ता व सहायिकाएं केंद्र में समय से नहीं उपस्थिति रहती हैं। इससे ग्रामीणों, खासकर महिलाओं और बच्चों को शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। समाजसेवी विक्रम तिवारी का आरोप है कि कई आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ग्राम में रहने के बजाय जिला मुख्यालय में निवास कर रही हैं। ऐसे में जब हितग्राही पोषण आहार या अन्य शासकीय योजनाओं की जानकारी के लिए केंद्र पहुंचते हैं, तो उन्हें कार्यकर्ता नहीं मिलतीं और इधर-उधर भटकना पड़ता है। कुछ मामलों में कार्यकर्ता केवल औपचारिकता निभाने के लिए थोड़ी देर केंद्र खोलकर बंद कर देती हैं। कई केंद्रों में शासकीय सामग्री के दुरुपयोग की शिकायतें भी सामने आई हैं। इस मामले में कुबरी निवासी व समाजसेवी विक्रम तिवारी गुड्डू ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा सेमरिया क्षेत्र के कुबरी सहित आसपास के गांवों में आंगनबाड़ी केंद्र भगवान भरोसे चल रहे हैं। केंद्र या तो बंद मिलते हैं या कार्यकर्ता कुछ समय के लिए आती है और फिर चली जाती हैं। ये सीधे-सीधे विभागीय लापरवाही है, यदि अधिकारी अचानक निरीक्षण करें तो पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि दोषी पर कार्रवाई हो और केंद्र नियमित खोले जाएं।

एसपी ने जनजागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। प्रदेश स्तर पर दोपहिया वाहन चालकों हेतु हेलमेट धारण की अनिवार्यता को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय द्वारा दिनांक 26 अप्रैल 2026 से 10 मई 2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला सीधी में पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर से जनजागरूकता रथ को पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन को हेलमेट धारण, यातायात नियमों के पालन तथा श्राजवीर योजना के संबंध में जागरूक करेगा। प्रदेश में प्रतिवर्ष होने वाली सडक़ दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या दोपहिया वाहन चालकों की होती है, जिनमें अधिकांश मामलों में हेलमेट का उपयोग न करना गंभीर चोट एवं मृत्यु का प्रमुख कारण पाया गया है। ऐसे में हेलमेट न केवल कानूनी अनिवार्यता है, बल्कि जीवन रक्षा का सबसे प्रभावी साधन भी है। अभियान के दौरान हेलमेट न पहनने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्यवाही की जा रही है, साथ ही सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए उन्हें जागरूक भी किया जा रहा है। शैक्षणिक एवं कोचिंग संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों तथा सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

नारनौल में अवैध ढाबों व कटों पर सख्ती, दो हफ्ते में कार्रवाई के निर्देश

ओवरलोडिंग और स्कूल वाहनों की भी होगी सख्त जांच

लोकतंत्र की शान

नारनौल। नारनौल में सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति और सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को लेकर आयोजित बैठक में उपायुक्त अनुपमा अंजली ने 152-डी एक्सप्रेसवे के किनारे बने अवैध ढाबों को तुरंत बंद कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही महावीर चौक से लहरोदा बाईपास तक बने अवैध कटों को दो सप्ताह के भीतर बंद करने के आदेश भी जारी किए गए हैं।बैठक में पुलिस अधीक्षक दीपक भी मौजूद रहे। उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों के प्रभावी पालन और अवैध कटों को बंद करने को लेकर पुलिस विभाग की कार्ययोजना प्रस्तुत की। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पुलिस और परिवहन विभाग मिलकर ओवरलोडिंग पर सख्ती से रोक लगाएं, ताकि सड़क हादसों में कमी लाई जा सके। इस दौरान सचिव आरटीए ने जानकारी दी कि अप्रैल माह में 274 ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब एक करोड़ 98 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उपायुक्त ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि जिला प्रशासन और सरकार का यह पहला दायित्व है। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में स्कूल बसों और कोचिंग वाहनों की नियमित जांच सुनिश्चित करें।

अवैध खनन पर सख्ती, संयुक्त जांच अभियान में 5 वाहन जब्त

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में अवैध खनन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी है। जिला खनिज अधिकारी कपिलमुनि शुक्ला के मार्गदर्शन एवं प्रभारी खनिज निरीक्षक देवेंद्र महोबे के नेतृत्व में खनिज एवं पुलिस के संयुक्त दल द्वारा 03 एवं 04 मई 2026 को रामपुर नैकिन, मझौली एवं मड़वास तहसील क्षेत्रों में दिन-रात्रि सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कोयला एवं रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त कुल 05 वाहनों को जब्त किया गया। रामपुर नैकिन तहसील के ग्राम बघवार वन नाका क्षेत्र से एक बिना नंबर का हाईवा अवैध रेत परिवहन करते पाए जाने पर जब्त कर पीपराव चौकी में सुपुर्द किया गया। मझौली तहसील क्षेत्र में रेत से लदे दो हाईवा वाहनों को निर्धारित मात्रा से अधिक परिवहन करते पाए जाने पर जब्त कर थाना मझौली में खड़ा कराया गया। वहीं एक अन्य कोयला परिवहन वाहन को निर्धारित समयावधि के पश्चात परिवहन करते पाए जाने पर जब्त किया गया। इसी प्रकार मड़वास तहसील के बाजार क्षेत्र के समीप एक टाटा 407 वाहन को अवैध रेत परिवहन करते पाए जाने पर जब्त कर थाना मड़वास की अभिरक्षा में सौंपा गया।संबंधित वाहन चालकों एवं स्वामियों के विरुद्ध म.प्र. खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किए जा रहे हैं, जिन्हें कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही बिना नंबर के वाहनों के उपयोग के मामलों में मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई हेतु जिला परिवहन अधिकारी को भी पत्र भेजा जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। खनिज विभाग द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ आज

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। विंध्य क्षेत्र की पावन धरा बघेलखंड की भूमि पर सीधी जिले के पिपरांव ग्राम के परिहार टोला में जगन्नाथ पुरी धाम ओडिशा से पधारे कथा प्रवक्ता वैष्णवाचार्य डॉ. आदिकेशव रामानुज दास जी महराज के मार्गदर्शन में 4 मई 2026 को भव्य कलश यात्रा निकाली गई । 5 मई से संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ होगा। ज्योतिष कर्मकांड विशेषज्ञ आचार्य सतीष पाण्डेय महराज के सानिध्य में इस कथा का लाभ दूर-दूर से प्राप्त करने आ रहे है भक्तगण विशेष, बड़े ब्रह्मदेव आश्रम से हितराधिका शरण का एवं विशेष आतिथ्य में संतों का आगमन होगा। कथा के मुख्य श्रोता सुनीता अनिल सिंह के साथ समस्त ग्राम क्षेत्र, जिले के समस्त श्रद्धालु भक्तगणों को आमंत्रित किया गया है। सुमधुर कथा का सत्संग पथ जगन्नाथ पुरी यूट्यूब चैनल लाइव प्रसारण में शामिल होकर श्रद्धालु भी अपने

जीवन के मार्ग को प्रशस्त करेंगे। कथा की व्यवस्था से जुड़े तेजबली सिंह, चंद्रवती सिंह, तेजभान सिंह, वीरेन्द्र सिंह, व्रिजेन्द्र सिंह, कैलाश सिंह, कुशल सिंह, सुनील सिंह, पवन सिंह, रामराज सिंह, अजय पाल सिंह, चंदन सिंह आदि ने सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार एवं ईष्ट मित्रों के साथ कथा में पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपेक्षा की है।

चित्तौड़गढ़ में 19 मई से होगा बजरंग दल का सात दिवसीय प्रान्तीय शौर्य प्रशिक्षण वर्ग

लोकतंत्र की शान

चित्तौड़गढ़। विश्व हिंदू परिषद के युवा आयाम बजरंग दल, चित्तौड़ प्रान्त का सात दिवसीय प्रान्तीय स्तरीय शौर्य प्रशिक्षण वर्ग 19 मई से चित्तौड़गढ़ में आयोजित होगा। शक्ति, भक्ति, त्याग और बलिदान की केसरिया भूमि पर होने वाले इस प्रशिक्षण शिविर की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हैं। चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय पर स्थित विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोईखेड़ा में यह विशाल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। तैयारियों को लेकर चित्तौड़गढ़ की ऋतुराज वाटिका में विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रांत मंत्री कौशल गौड़, प्रांत सह मंत्री सुंदर लाल कटारिया, विभाग मंत्री विश्वनाथ टांक और जिला अध्यक्ष किशन पिछोलिया उपस्थित रहे। बजरंग दल के जिला संयोजक मनोज साहू ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि यह वर्ग हिंदू युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और शौर्य के भाव को जागृत करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शिविर 19 मई 2026 की दोपहर से विधिवत प्रारंभ होकर 26 मई तक पूर्ण अनुशासन के साथ संचालित होगा। इस शिविर में चित्तौड़ प्रान्त के अंतर्गत आने वाले उदयपुर, बांसवाड़ा, राजसमंद और चित्तौड़गढ़ विभाग के सैकड़ों कार्यकर्ता शिरकत करेंगे। वर्ग के दौरान पूरे सात दिनों तक कार्यकर्ता विद्यालय परिसर में ही निवास करेंगे और कठोर दिनचर्या का पालन करेंगे। शिविर की दैनिक दिनचर्या सूर्योदय से पूर्व प्रारंभ होगी। प्रशिक्षणार्थियों को आत्मरक्षा के आधुनिक और पारंपरिक गुर सिखाए जाएंगे। इसमें दंड युद्ध, कुश्ती, जूडो-कराटे, योग और बाधा पार करने जैसे साहसिक खेलों का सघन अभ्यास कराया जाएगा। शारीरिक सुदृढ़ता के साथ-साथ युवाओं के बौद्धिक विकास के लिए विशेष सत्र आयोजित होंगे। इनमें विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के प्रान्तीय एवं राष्ट्रीय स्तर के शीर्ष पदाधिकारियों का मार्गदर्शन मिलेगा। सत्रों में राष्ट्र की वर्तमान चुनौतियों, गौरवशाली इतिहास और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर चर्चा होगी। प्रशिक्षण वर्ग के समापन की पूर्व संध्या पर चित्तौड़गढ़ नगर में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य पथ संचलन निकाले जाने की भी योजना है। इसमें पूर्ण गणवेश में सजे युवा अपने शौर्य का प्रदर्शन करेंगे। तैयारियों की समीक्षा बैठक में जिला मंत्री शेखर सोनी, भरत पालीवाल, नगर मंत्री अभिनंदन काबरा, नगर उपाध्यक्ष ज्ञानमल खटिक, सह मंत्री सुमित हेडा, महावीर किर, मोहित अरोड़ा, नगर संयोजक पंकज जीनगर, आशीष वैष्णव, सागर व्यास, बबलेश शर्मा सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दस हजार का इनामी बदमाश देशी कट्टा व तीन कारतूस के साथ पकड़ा, दो अन्य आरोपित भी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

चित्तौड़गढ़। ऑपरेशन सुदर्शन चक्र-2 के तहत कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक देशी कट्टा पिस्टल व 3 कारतूस बरामद कर स्विफ्ट कार जब्त की है। इनमें से एक गिरफ्तार आरोपित पर मध्यप्रदेश पुलिस की ओर से 10 हजार का इनाम भी घोषित है। चित्तौड़गढ़ पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि निंबाहेड़ा कोतवाली थानाधिकारी रामसुमेर के नेतृत्व में रविवार रात को एएसआई सुरज कुमार के साथ टीम गठित की गई। इस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि नीमच की तरफ से एक स्विफ्ट कार आ रही है, जिसमें 2-3 व्यक्ति सवार हैं और उनके पास अवैध हथियार हो सकते हैं। सूचना पर एएसआई सुरज कुमार मय जाब्ता मध्यप्रदेश बॉर्डर स्थित जलिया चेक पोस्ट पहुंच नाकाबंदी की। इस दौरान नीमच की तरफ से आई स्विफ्ट कार को रोक कर तीनों की नियमानुसार तलाशी ली गई। तलाशी में उनके कब्जे से एक देशी कट्टा पिस्टल नुमा व 3 कारतूस मिले। पुलिस ने हथियार व कार को जब्त कर तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामले में मध्यप्रदेश में उज्जैन निवासी आशुतोष पुत्र ओमप्रकाश ब्राह्मण, यशवेन्द्र पुत्र जितेन्द्र ठाकुर तथा निखिल पुत्र राजेश मीणा को गिरफ्तार किया है। इनमें आरोपित यशवेन्द्र के खिलाफ कुल 22 प्रकरण दर्ज हैं। वह 4 प्रकरणों में फरार चल रहा था। थाना चिमनगंज जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश से 10 हजार रुपए का इनामी आरोपित है। गिरफ्तार आरोपितों से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त के संबंध में अनुसंधान जारी है। आशंका है कि ये मध्यप्रदेश से राजस्थान में कोई वारदात करने के संबंध में आए हो।

संक्षिप्त समाचार

पिता-बेटे के शव ले जाने से फ्लाइट ऑपरेटर का इनकार जबलपुर एयरपोर्ट पर कहा- बदबू आ रही

जबलपुर। जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में सिस्टम की लापरवाही से 13 जानें चली गईं। प्राथमिक जांच में खराब मौसम के अलर्ट की अनदेखी को इसकी मुख्य वजह माना जा रहा है। हद तो ये है कि मृतकों के शव की भी दुर्दशा की जा रही है। हादसे में जान गंवाने वाले आर्डनेंस फैक्ट्री के कर्मचारी कामराज आर और उनके 5 साल के बेटे श्रीतमिल का शव ले जाने से फ्लाइट ऑपरेटर ने मना कर दिया। तर्क दिया कि बॉडी डी-कंपोज हो रही हैं। बदबू आ रही है। ऐसे में वह इन्हें नहीं ले जा सकता है। इसका पता लगते ही प्रशासनिक अधिकारी सक्रिय हुए और ऑपरेटर को समझाकर शव फ्लाइट में रखवाए। इसकी वजह से फ्लाइट ने अपने निर्धारित समय से एक घंटे देरी से उड़ान भरी। जबलपुर के बरगी डैम में 30 अप्रैल को मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग का क्रूज डूबा था। इसमें सवार 13 टूरिस्ट की मौत हो गई। उसी दिन 30 अप्रैल को 4 शव, एक मई को 5, दो मई को 2 और तीन मई को दो शव तैरते मिले। मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल हैं। 28 लोगों को बचा लिया गया था। श्रीतमिल का शव दो मई को मिला था जबकि कामराज की लाश 3 मई की सुबह मिली। रविवार शाम को ही कामराज और श्रीतमिल का शव लेकर खमरिया अस्पताल से एम्बुलेंस डुमना एयरपोर्ट के लिए रवाना हुई। रांझी पहुंचने पर जानकारी मिली कि त्रिची का मौसम खराब है, विमान लैंड नहीं कर पाएगा। इस पर एम्बुलेंस वापस अस्पताल आ गई और दोनों शव मरचुरी में रखवा दिए गए।

हिमाचल में फिर भारी ओलावृष्टि, तूफान से उड़ी छत्त, अगले तीन घंटे 4 जिलों में अलर्ट, लाहौल-सोलन में लौटी ठंड

शिमला। शिमला जिला के कई क्षेत्रों में आज (सोमवार को) दोपहर बाद फिर से भारी ओलावृष्टि हुई। इससे सेब, मटर और फूलगोभी की फसल को नुकसान पहुंचा है। कई जगह सेब को ओलावृष्टि से बचाने के लिए लगाए गए एंटी हेल नेट और बांस भी टूट गए। नारकंडा, रोहड़ू, चौपाल, टियाली इत्यादि क्षेत्रों में ओलावृष्टि हुई। शिमला जिला के नेरवा की केदी पंचायत के शुकराना गांव निवासी सीताराम शर्मा के घर की छत तूफान से उखड़ गई। गांव में अन्य लोगों के घरों की छत्त को भी नुकसान पहुंचा है। वहीं शिमला के ढली-संजौली में भी बारिश के साथ हल्के ओले गिरे। किन्नौर के रिकांगपियों में भी दोपहर बाद बारिश हुई। इस बीच मौसम विभाग ने शिमला, सोलन, सिरमौर और मंडी में शाम छह बजे तक ओलावृष्टि के साथ तेज बारिश और तूफान का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अन्य जिलों में यलो अलर्ट की चेतावनी दी गई है। बीते 24 घंटे के दौरान भी राज्य के कई भागों में तेज बारिश हुई। संगड़ाह में सबसे ज्यादा 25.7 मिमी, चौपाल में 22.0, घागस 20.4, शिमला 17.2, जुब्बड़हट्टी 16.9, पांवटा साहिबत 15.2, सोलन व कसौली में 15.0 मिमी बारिश हुई। इससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। लाहौल स्पीति के अधिक ऊंचे क्षेत्रों में इससे ठंड लौट आई है। ताबो का न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री और कुकुमसैरी 4.1 डिग्री तक लुढ़क गया है। सोलन के तापमान में सामान्य की तुलना में सबसे ज्यादा 10.1 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई और यहां का पारा 4.8 डिग्री रह गया है। नाहन का 7.4 डिग्री नीचे गिरने के बाद 15.3 डिग्री, शिमला का 2.0 डिग्री कम होने के बाद 12.0, धर्मशाला का 1.0 डिग्री कम होने के बाद 16.8 डिग्री सेल्सियस रह गया है। राज्य में तीन दिन से बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया है।

राइटर मधु किश्वर की चंडीगढ़ कोर्ट में याचिका, वीडियो वाले दंपति ने की इन्वेस्टिगेशन ज्वाइन

चंडीगढ़। फेमस राइटर मधु किश्वर को चंडीगढ़ पुलिस द्वारा इन्वेस्टिगेशन ज्वाइन करने के लिए दूसरा नोटिस दिया जा चुका है, लेकिन वह अब तक पेश नहीं हुई हैं। वहीं, मधु किश्वर पुलिस के सामने पेश होने के बजाय चंडीगढ़ कोर्ट पहुंच गई हैं। मधु किश्वर ने कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें उन्होंने मांग की है कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर की कॉपी उन्हें नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि पुलिस से उन्हें एफआईआर की कॉपी दिलवाई जाए। इस पर कोर्ट ने चंडीगढ़ पुलिस से जवाब मांगा है। वहीं, मिसलीडिंग वीडियो मामले में दर्ज FIR में दिखाई दे रहे दंपति ने इन्वेस्टिगेशन ज्वाइन कर ली है। इस मामले में चंडीगढ़ पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फर्जी वीडियो प्रसारित करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हसन मोहिउद्दीन सिद्दीकी के रूप में हुई है, जो हैदराबाद (तेलंगाना) का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी को हैदराबाद से गिरफ्तार किया। आरोपी फर्जी वीडियो प्रसारित कर लोगों को गुमराह कर रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर उसे ट्रेस कर गिरफ्तार किया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ कर इस पूरे नेटवर्क और अन्य संभावित आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी।

खराब मौसम के कारण लखनऊ-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, 10 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/देहरादून। खराब मौसम की वजह से दिल्ली से लखनऊ जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6E-6476 की भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें यूपी के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सवार थे। दोनों भोपाल में सुरक्षित उतरे। यूपी में आंधी-बारिश जारी है। कानपुर, सुल्तानपुर और बाराबंकी समेत 64 जिलों में आंधी, बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। पिछले 24 घंटे में जालौन सबसे गर्म शहर रहा। सुल्तानपुर में पेड़ की डाल गिरने से एक की मौत हो गई। राजस्थान के दौसा, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर और हनुमानगढ़ में आंधी के साथ बारिश हुई। ओले भी गिरे। रविवार को खराब मौसम के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर पेड़ गिरने से 40 मिनट तक जाम रहा। हरियाणा के सिरसा, भिवानी और महेंद्रगढ़ में रविवार को तेज बारिश के साथ ओले गिरे। उत्तराखंड के भी 11 जिलों में बारिश हुई। नैनीताल, देहरादून और अल्मोड़ा में ओले भी गिरे। जम्मू-कश्मीर के लघामा में लैंडस्लाइड के बाद बारामूला-उरी नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया। ट्रैफिक को उरी की ओर बांदी-परानपिलन-दाची मार्ग से डायवर्ट किया गया है। आंधी-बारिश के बीच तेज गर्मी और हीटवेव भी जारी है। रविवार को राजस्थान के फलोदी में 44.8°C और महाराष्ट्र के वर्धा में 43.5°C तापमान दर्ज किया गया। राजस्थान, बिहार और उत्तराखंड समेत 10 राज्यों में आंधी-बारिश का दौर जारी है। आज 13 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। 10 राज्यों में आंधी के साथ बिजली गिरने की आशंका है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी में उपाध्यक्षों एवं महासचिवों की नियुक्ति को मंजूरी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के 12 उपाध्यक्षों एवं 26 महासचिवों की नियुक्ति के प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है। यह जानकारी रविवार को कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक विज्ञप्ति जारी करके दी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के 12 उपाध्यक्ष के नाम इस प्रकार है। सुरेंद्र कुमार, हरि शंकर गुप्ता, भीष्म शर्मा, सीपी मित्तल, कमलकान्त शर्मा, जगजीवन शर्मा, आभा चौधरी, तसवीर सोलंकी, मुदित अग्रवाल, लक्ष्मण रावत, अली मेहंदी और अब्दुल हन्नान। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के 26 महासचिवों की सूची इस प्रकार है - अनिल भारद्वाज, गौरी शंकर शर्मा, पीके मिश्रा, प्रेरणा सिंह,नीतू वर्मा सोइन, जय प्रकाश राणा, विकास शौकीन, धर्मपाल चंदेला, मीर सिंह, मो. जावेद मिर्जा हरनाम सिंह, राजेंद्र तंवर, बालकिशन बाली, प्रमोद जयन्त, दीपक भारद्वाज, सतेन्द्र शर्मा, हाजी जरीफ, सिद्धार्थ कुंडू, आकांक्षा ओला, शांति स्वरूप, लोकेंद्र चौधरी, विनीत यादव, अशोक बसोया,अरीबा खान, भूपेश यादव, जय प्रकाश।

ईरान की चेतावनी- अमेरिका होर्मुज से दूर रहे, सेना पास आई तो हमला होगा

एजेंसी, तेहरान/वाशिंगटन

ईरान ने सोमवार को अमेरिका को चेतावनी दी कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य से दूर रहे। ईरान की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी के जवाब में आई है। ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका उन जहाजों को मुक्त कराने में मदद करेगा, जो ईरान पर अमेरिका-इजराइल युद्ध के कारण खाड़ी में फंस गए हैं। ट्रंप ने कहा था कि यह लगभग दो माह से फंसे हैं। चालक दल के पास भोजन और अन्य सामान की कमी हो गई है। ट्रंप ने इसे 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' नाम दिया है।

ट्रंप ने रविवार को 'ट्रुथ सोशल' पर कहा, "हमने इन देशों से कहा है कि हम उनके जहाजों को इन प्रतिबंधित जलमार्गों से सुरक्षित बाहर निकालने में सहायता करेंगे। ईरान की सशस्त्र सेनाओं की संयुक्त कमान के प्रमुख अली अब्दुल्लाही ने इसका करारा जवाब दिया है। उन्होंने अमेरिकी सेना को चेतावनी दी कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य से दूर रहें। अगर अमेरिकी सेना होर्मुज के पास आती या घुसती है तो उस पर हमला किया जाएगा। उन्होंने व्यापारिक जहाजों और तेल टैंकरों को निर्देश दिया कि वे ईरान की सेना के साथ समन्वय किए बिना किसी भी तरह की आवाजाही न करें।

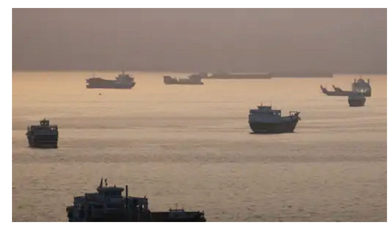

अब्दुल्लाही ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा ईरान के हाथों में है। जहाजों के सुरक्षित मार्ग की रक्षा ईरान की सशस्त्र सेनाएं करेंगी।

अल जजीरा, सीबीएस, सीएनएन और एक्सियोस की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने घोषणा की है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के निर्देश पर 15,000 सैन्य कर्मियों, 100 से अधिकी जमीन और समुद्र-आधारित विमानों, साथ ही युद्धपोतों और ड्रोन के साथ इस प्रयास में सहायता प्रदान करेगा। सेंटकॉम के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा, "इस रक्षात्मक मिशन के लिए हमारा समर्थन क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि हम नौसैनिक नाकाबंदी को भी बनाए हुए हैं।" इस बीच ईरानी सरकारी मीडिया ने बताया कि वाशिंगटन ने पाकिस्तान के माध्यम से ईरान के 14 सूत्री प्रस्ताव पर जवाब भेजा है। तेहरान उसकी समीक्षा कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई के हवाले से कहा गया है, " हमारी अमेरिका से परमाणु कार्यक्रम पर कोई बात नहीं हुई है।" इससे पहले ट्रंप तेहरान के इस प्रस्ताव को अस्वीकार्य बता चुके हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' के तहत अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों को एस्कॉर्ट नहीं करेंगे। वह फंसे हुए जहाजों को रास्ता दिखाएंगे। वाणिज्यिक जहाजों पर ईरानी हमलों को रोकने के लिए अमेरिकी नौसेना के जहाज आसपास ही मौजूद रहेंगे।

इस बीच पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका ने एक ईरानी कंटेनर जहाज पर मौजूद 22 क्रू सदस्यों को पाकिस्तान भेज दिया है। उन्हें ईरानी अधिकारियों को सौंपा जाएगा। मंत्रालय ने इस कदम को विश्वास-बहाली का उपाय बताया है। मंत्रालय ने दावा किया कि जरूरी मरम्मत के बाद ईरानी जहाज को भी वापस पाकिस्तान की समुद्री सीमा में लाया जाएगा, ताकि उसे उसके असली मालिकों को सौंपा जा सके। इस जहाज को पिछले महीने ओमान की खाड़ी में एक हमले के दौरान पकड़ लिया गया था। इसे तेहरान ने अमेरिका की समुद्री डकैती बताया था।

समुद्र में जहाज पर चूहों वाला वायरस फैला, हंतावायरस से 3 की मौत

एजेंसी, प्राया

अटलांटिक महासागर में एक क्रूज शिप पर चूहों वाले वायरल (हंतावायरस) संक्रमण का मामला सामने आया है। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई है और कम से कम तीन लोग बीमार हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और दक्षिण अफ्रीका स्वास्थ्य विभाग ने रविवार को इसकी पुष्टि की। MV होंडियस नाम के इस क्रूजशिप को फिलहाल अफ्रीकी देश केप वर्डे की राजधानी प्राया में रोका गया है। अभी यात्रियों को उतरने की अनुमति नहीं मिली है। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि संक्रमण फैलने के खतरे को नियंत्रित किया जा सके।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, जहाज पर 6 लोगों में संक्रमण जैसे लक्षण मिले हैं। इनमें से एक मामले की पुष्टि लैब में हो चुकी है। एक मरीज दक्षिण अफ्रीका के अस्पताल में आईसीयू में भर्ती है, जबकि दो को जहाज से निकालने की तैयारी की जा रही है। यह भी अभी पता नहीं है कि सभी बीमार लोग हंतावायरस से संक्रमित हैं या नहीं। यह बीमारी आखिर कैसे और कहां से फैली है, इसकी जांच चल रही है। नीदरलैंड के झंडे वाला यह क्रूज शिप 20

♦ **अफ्रीका तट पर जहाज रोका गया, यात्रियों को उतरने की इजाजत नहीं**

मार्च को अर्जेंटीना के उशुआइया से रवाना हुआ था। इसके बाद यह दक्षिणी ध्रुव के आसपास के इलाकों में गया और फिर अटलांटिक पार करते हुए यूरोप की ओर बढ़ रहा था। इसे सबसे आखिर में स्पेन के कैनरी द्वीप तक पहुंचना था, जो अफ्रीका के पास अटलांटिक में स्थित एक प्रमुख पर्यटन क्षेत्र है। जहाज में कुल 170 यात्री और 71 क्रू सदस्य मौजूद हैं। इनमें एक डॉक्टर भी शामिल है। पहला मृतक 70 साल का एक व्यक्ति था, जिसकी मौत जहाज पर ही हो गई थी। वह अपनी पत्नी के साथ इस यात्रा पर था। इसके बाद उसका शव दक्षिण अटलांटिक में स्थित सेंट हेलेना में उतारा गया।

गडकरी ने की महाराष्ट्र में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा, तेजी से क्रियान्वयन पर जोर

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र में प्रस्तावित हाई-स्पीड और हाई-डेंसिटी कॉरिडोर सहित राज्य के बीओटी निर्माण-संचालन-हस्तांतरण (बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर- बीओटी) राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि सोमवार को यहां आयोजित समीक्षा बैठक में गडकरी ने नागपुर-भंडारा सेक्शन के छह लेनिंग, तलोदा-बुरहानपुर सेक्शन के चार लेनिंग, दुर्ग-गड़चिरोली-मंचेरियल कॉरिडोर, गड़चिरोली-कांकेर (रायपुर-विशाखापट्टनम) कॉरिडोर, ग्वालियर- नागपुर कॉरिडोर, नागपुर- हैदराबाद कॉरिडोर, भंडारा-रायपुर सेक्शन के छह लेनिंग, लखनादोन-दुर्ग-रायपुर कॉरिडोर, नागपुर-अमरावती सेक्शन के छह लेनिंग, मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र बॉर्डर-नागपुर बायपास-बोरखेड़ी

स्टेच (एनएच-44) और पुणे-सातारा सेक्शन के छह लेनिंग जैसे प्रमुख राजमार्ग विकास कार्यों पर चर्चा की।

बैठक में राज्य की नौ बीओटी परियोजनाओं पर भी चर्चा की गई। इन परियोजनाओं की कुल लंबाई 527 किलोमीटर है। इन परियोनाओं में शिरूर-अहिल्यानगर (चार लेन), अहिल्यानगर-वडाला (चार लेन), वडाला-छत्रपति संभाजीनगर (चार लेन), छत्रपति संभाजीनगर-जालना (चार लेन), जालना-वातुर (चार लेन), नांदेड़-नरसी-देगलुर (चार व दो लेन), जाम-वरोरा (चार लेन), वरोरा-चंद्रपुर-बामनी (चार लेन) और मलकापुर-चिखली (दो लेन) कॉरिडोर शामिल हैं।

शिमला के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी पेरेंट्स-स्टूडेंट्स में हड़कंप, बच्चों को लेने पहुंचे

एजेंसी, शिमला

हिमाचल की राजधानी शिमला में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब शहर के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। ईमेल के जरिए धमकी के बाद स्कूल प्रबंधन ने एहतियातन अभिभावकों को मैसेज भेजा और बच्चों को तुरंत घर ले जाने को कहा। इस मैसेज को देखकर अभिभावकों में हड़कंप मच गया। परिजन आनन-फानन में स्कूल पहुंचे और अपने बच्चों को वापस ले गए। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। एसपी शिमला गौरव ने बताया कि जनरल थ्रेट आई है। पुलिस जांच में जुटी हुई है और स्कूलों में ड्रिल चल रही है। यह धमकी शहर के चैल्सी, दयानंद, सेंट थॉमस, डीएवी टुटू इत्यादि स्कूलों

सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट, खाली कराए परिसर

को मिली है। धमकी की खबर फैलने के बाद दूसरे स्कूलों के परिजन भी घबरा गए और अपने बच्चों के लिए उनकी चिंताएं बढ़ गई।

स्कूल परिसर में ली जा रही तलाशीः जिन स्कूलों को धमकी मिली है, उनके परिसर में पुलिस ने संदिग्ध वस्तुओं की तलाशी को अभियान चलाया, लेकिन बम जैसी कोई भी चीज नहीं मिली। अब शिमला पुलिस यह पता लगाने में जुट गई है कि आखिर यह धमकी किसने दी।

इससे पहले हाईकोर्ट-सचिवालय को भी कई बार धमकी मिल चुकीः गौरतलब है कि इससे पहले भी प्रदेश में इस तरह की धमकियां मिल चुकी हैं। हाल के महीनों में हिमाचल हाईकोर्ट, राज्य सचिवालय, कई जिलों के डीसी कार्यालयों और जिला कोर्ट को भी कई बार बम से उड़ाने की धमकी दी जा चुकी है।

पुलिस की अपील- घबराएं नहींः हालांकि हर बार जांच में ऐसी धमकियां अफवाह या शरारती तत्वों की करतूत ही साबित हुई हैं। फिलहाल पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

अहमदाबाद में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत 22 दिनों में 5 भारी पोर्टल बीम लॉन्च

एजेंसी, नई दिल्ली

अहमदाबाद में मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत एक महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग उपलब्धि हासिल की गई है। मणिनगर क्षेत्र में अहमदाबाद–वडोदरा रेलवे लाइन के ऊपर कुल पांच प्रीकास्ट-प्रेस्ट्रेस्ड भारी पोर्टल बीम (गर्डर) मात्र 22 दिनों के भीतर सफलतापूर्वक लॉन्च किए गए। नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने सोमवार को एक बयान में बताया कि यह लॉन्चिंग गतिविधि 8, 13, 19, 24 और 29 अप्रैल को सुनियोजित क्रम में पूरी की गई, जो सक्रिय रेलवे ट्रैक के ऊपर तेज और सटीक कार्य निष्पादन का उदाहरण है। इनमें सबसे भारी बीम, जिसका वजन लगभग 1360 मीट्रिक टन था, 8 अप्रैल को लॉन्च किया गया। अन्य बीमों का वजन 1170 से 1360 मीट्रिक टन के बीच रहा, जिससे यह रेलवे अवसंरचना पर किए गए सबसे जटिल कार्यों में से एक बन गया है।

मणिनगर में बुलेट ट्रेन का एलाइन्मेंट मौजूदा रेलवे ट्रैकों के ऊपर से ऊंचाई पर और तिरछे कोण पर गुजरता है, जिसके कारण संरचनात्मक योजना बेहद चुनौतीपूर्ण रही। यहां दो पिलरों के बीच की दूरी लगभग 30 से 34 मीटर है, जिसके चलते मजबूत और स्थिर पोर्टल बीम की आवश्यकता पड़ी।

इन भारी पोर्टल बीमों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे अहमदाबाद–वडोदरा रेलवे की अप, डाउन

और तीसरी लाइन सहित कई सक्रिय ट्रैकों को सुरक्षित रूप से कवर कर सकें। इनके बड़े आकार और वजन से संरचना में स्थिरता बनी रहती है और झुकाव न्यूनतम रहता है, जिससे ट्रैक की सटीकता और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित होता है।

लॉन्चिंग के लिए 2200 मीट्रिक टन क्षमता वाले क्रॉलर क्रेन का उपयोग किया गया, जिसे पहली बार भारत में सक्रिय रेलवे ट्रैक के ऊपर इस्तेमाल किया गया। प्रत्येक बीम को लगभग 3.5 घंटे में स्थापित किया गया, जो पहले के 9 घंटे के ब्लॉक की तुलना में काफी तेज है। यह कार्य भारतीय रेलवे के साथ समन्वय, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और निरंतर निगरानी के साथ पूरा किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक पोर्टल बीम की लंबाई 34 मीटर है और इसका क्रॉस-सेक्शन 5.5 मीटर × 4.5 मीटर है। इन बीमों को साइट पर ही तैयार कर भारी इकाइयों के रूप में स्थापित किया गया।

अस्पतालों की सुरक्षा के लिए केन्द्र सरकार ने जारी किए नए अग्नि सुरक्षा दिशा निर्देश

एजेंसी, नई दिल्ली

अस्पतालों में बढ़ते बिजली लोड और ऑक्सीजन-समृद्ध वातावरण के कारण आग लगने का खतरा अधिक होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अग्नि सुरक्षा से संबंधित नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन नए दिशा-निर्देशों का उद्देश्य विशेष रूप से आपात स्थितियों के दौरान मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। नई दिशा-निर्देशों में मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए उन्नत और व्यवस्थित रणनीतियां शामिल की गई हैं। खासतौर पर गंभीर मरीजों, आईसीयू, एनआईसीयू और अन्य संवेदनशील वार्डों के लिए अलग से चरणबद्ध निकासी की व्यवस्था पर जोर दिया गया है। इसके अलावा इन दिशानिर्देशों में फायर सेफ्टी गवर्नेंस को मजबूत करने, नियमित ऑडिट सुनिश्चित करने और अस्पताल स्टाफ को बेहतर प्रशिक्षण देने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य

मंत्रालय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि "नेशनल गाइडलाइंस ऑन फायर एंड लाइफ सेफ्टी इन हेल्थकेयर फैसिलिटीज (2026)" अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं। स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा कि इन दिशानिर्देशों में खास तौर पर गंभीर और चलने-फिरने में असमर्थ मरीजों के लिए फेज़्ड इवैक्युएशन (चरणबद्ध निकासी) की रणनीति शामिल की गई है।

नई गाइडलाइंस में आईसीयू, एनआईसीयू (नवजात गहन चिकित्सा इकाई), पीआईसीयू (बाल गहन चिकित्सा इकाई) और ऑपरेशन थिएटर जैसे हाई-रिस्क क्षेत्रों के लिए विशेष सुरक्षा प्रोटोकॉल तय किए गए हैं, ताकि इन संवेदनशील स्थानों पर किसी भी आपात स्थिति में तेजी और सुरक्षित तरीके से प्रतिक्रिया दी जा सके। उन्होंने सभी राज्यों और स्वास्थ्य सुविधाओं से आग्रह किया कि वे नियमित रूप से अग्नि सुरक्षा ऑडिट विवरण आईएचआईपी पोर्टल पर अपलोड करें, यह देखते हुए कि ऐसी प्रथाएं अनुपालन को संस्थागत रूप देंगी और सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए एक निरंतर अनुस्मारक के रूप में कार्य करेंगी।

उल्लेखनीय है कि यह संशोधित फ्रेमवर्क 2020 की गाइडलाइंस का अपडेट है और इसे कई विशेषज्ञ संस्थानों के सहयोग से तैयार किया गया है।

ट्रांसजेंडर संशोधन एक्ट पर केंद्र-राज्यों को नोटिस, 6 हफ्ते में जवाब मांगा

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार और सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने इस मामले पर 6 हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। अब इस मामले की सुनवाई तीन जजों की बेंच करेगी।

सिंघवी बोले- NALSA जजमेंट के खिलाफ है नया संशोधनः याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने संशोधन पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह संशोधन ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से 'सेल्फ आइडेंटिफिकेशन' (अपनी पहचान खुद तय करने) का अधिकार छीनता है। यह 2014 के ऐतिहासिक NALSA जजमेंट के खिलाफ है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने खुद की लैंगिक पहचान चुनने को मौलिक अधिकार घोषित किया था।

CJI ने पूछा- क्या लोग फर्जी पहचान बनाकर फायदा नहीं उठाएंगे?ः सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने 'सेल्फ आइडेंटिफिकेशन' के अधिकार को लेकर कुछ चिंताएं जताईं। उन्होंने पूछा, 'क्या इससे कोई खतरा पैदा नहीं होता? क्या ऐसे लोग नहीं हो सकते जो ट्रांसजेंडर होने का दिखावा करें ताकि उन्हें इस समुदाय के लिए तय आरक्षण या विशेषाधिकारों का लाभ मिल सके?' इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि उनकी जानकारी के अनुसार ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए अभी कोई आरक्षण लागू नहीं है, इसलिए गलत इस्तेमाल की संभावना नहीं है। उन्होंने आगे

कहा कि अगर 0.01% मामलों में दुरुपयोग की गुंजाइश है भी, तो इसके आधार पर बहुसंख्यक समुदाय के आर्टिकल 21 (जीवन और गरिमा का अधिकार) के अधिकार को सस्पेंड नहीं किया जा सकता।

मेडिकल बोर्ड की सिफारिश अब जरूरी होगीः जस्टिस बागची ने इस दौरान टिप्पणी की कि विधायिका किसी फैसले के आधार को बदल सकती है। नए संशोधन के बाद अब ट्रांसजेंडर पहचान के लिए व्यक्ति की अपनी इच्छा के बजाय 'मेडिकल इवैल्यूएशन' यानी डॉक्टरी जांच को आधार बनाया गया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट अब मेडिकल बोर्ड की सिफारिश के बाद ही पहचान पत्र जारी करेंगे, जो निजता और गरिमा के अधिकार का उल्लंघन है।

हार्मोनल थैरेपी रुकी, वकील बोले- यह क्रिमिनलाइजेशन जैसाः वरिष्ठ वकील अरुंधति काटजू ने कोर्ट को बताया कि संशोधन के डर से कई लोगों की हार्मोनल थैरेपी अचानक रोक दी गई है। सिंघवी ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति थैरेपी ले रहा है, तो इस संशोधन के जरिए उसे एक तरह से अपराधी बनाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दखल देते हुए कहा कि सरकार केवल जबरन लिंग परिवर्तन या बच्चों के साथ होने वाली जबरदस्ती (जैसे जबरन बधिया करना) को अपराध की श्रेणी में ला रही है। उन्होंने साफ किया कि कोई भी व्यक्ति जो पुरुष या महिला है, उसे बाहर नहीं किया जा रहा।

अभी लागू नहीं हुआ है एक्ट, याचिकाएं समय से पहलेः कैविएटरः एक पक्ष हर्ष असद ने बेंच को बताया कि यह एक्ट अभी लागू नहीं हुआ है, क्योंकि केंद्र ने इसे नोटिफाई नहीं किया है। उन्होंने दलील दी कि याचिकाएं समय से पहले दाखिल की गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समुदाय के कुछ लोग सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं ताकि इस संशोधन को लागू न किया जाए, और कोर्ट का नोटिस उस प्रक्रिया में बाधा डाल सकता है। कोर्ट ने फिलहाल किसी भी तरह का अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया क्योंकि कानून अभी प्रभावी नहीं हुआ है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावी रिजल्ट 2026 -4 मई दीदी गईं... बंगाल में खिला कमल,असम में बीजेपी की हैट्रिक, टीएन में विजय बम-बम?-भारतीय लोकतंत्र का निर्णायक मोड़

NA20200930

लोकतंत्र की शान,

» पांच राज्यों के विधानसभा चुनावी नतीजे -तमिलनाडु में विजय का मैजिक,बीजेपी की झोली में बंगाल..असम में हैट्रिक से लेकर केरल तक का हाल

» विश्व के किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव परिणाम निवेशकों, उद्योगों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए पॉलिसी सिग्नल का काम करते हैं -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर 4 मई 2026 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक ऐसे दिन के रूप में दर्ज हो गया,जब पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने न केवल घरेलू राजनीति की दिशा बदली, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की राजनीतिक स्थिरता,आर्थिक संभावनाओं और नीतिगत निरंतरता के संकेत भी दिए।बता दें 4 मई 2026 को पाँच राज्यों पश्चिम बंगाल,तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में मतगणना के रुझानों से केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन का संकेत भर नहीं मिला,बल्कि वे भारत की आर्थिक दिशा,निवेश माहौल, और वैश्विक छवि पर गहरा प्रभाव डालने वाले मल्टी-लेयर सिग्नल के रूप में उभरे। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव परिणाम निवेशकों, उद्योगों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए पॉलिसी सिग्नल का काम करते हैं, और इस बार के चुनावों में उभरी तस्वीर, जहाँ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्य में फ़तेह से भरी दिखी, असम में अपनी स्थिति मजबूत रखे हुए लौटी और पुडुचेरी में भी गठबंधन के साथ आई है,वह निवेशकों के लिए स्थिरता और निरंतरता का संदेश देती है। इसके विपरीत, तमिलनाडु में विजय की पार्टी टीवींके का उभार, तथा केरल के संकेत, एक मिश्रित लेकिन समग्र रूप से सकारात्मक आर्थिक परिदृश्य की ओर इशारा करते हैं।पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी का कमल खिलना, असम में लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी,और तमिलनाडु में सत्ता परिवर्तन या मजबूत जनादेश,इन तीनों घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत की राजनीति अबपारंपरिक क्षेत्रीय सीमाओं से आगे बढ़कर वैचारिक और प्रदर्शन आधारित हो चुकी है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस चुनाव परिणाम ने यह भी दिखाया कि मतदाता अब केवल पहचान-आधारित राजनीति से संतुष्ट नहीं हैं, बल्कि वे विकास, सुशासन और राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ तालमेल को भी प्राथमिकता दे रहे हैं।यह आर्टिकल इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आए परिणामों के आधार पर लिखा गया है। साथियों बात अगर हम पश्चिम बंगाल असम और तमिलनाडु की बात करें तो यह चुनावकेवल एक राज्य का चुनाव नहीं था, बल्कि यह एक वैचारिक टकराव का केंद्र बन चुका था। लंबे समय से टीएमसी के नेतृत्व में चल रही सरकार के सामने बीजेपी ने जिस आक्रामक रणनीति के साथचुनाव लड़ा,वह अभूतपूर्व था। वास्तव में बंगाल में बीजेपी को इतना बहुमत मिलना यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संस्कृति का परिवर्तन माना जाएगा। बंगाल, जो दशकों तक वामपंथी और क्षेत्रीय राजनीति का गढ़ रहा,वहां राष्ट्रीय दल का उभार यह संकेत देता है कि मतदाता अब केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय चाहते हैं। यह जीत उस नैरेटिव को भी मजबूत करती है कि राष्ट्रीय स्तर की नीतियां और नेतृत्व अब क्षेत्रीय राजनीति को भी प्रभावित कर रहे हैं।असम में बीजेपी की हैट्रिक जीत अपने आप में एक अलग कहानी कहती है। पूर्वोत्तर भारत, जिसे कभी राजनीतिक रूप से अस्थिर और केंद्र से दूर माना जाता था, आज विकास और सुरक्षा के मुद्दों पर स्थिरता की ओर बढ़ रहा है।बीजेपी की लगातार तीसरी जीत यह दर्शाती है कि वहां की जनता ने पार्टी के शासन मॉडल को स्वीकार किया है। बुनियादी ढांचे का विकास, कनेक्टिविटी में सुधार, और सुरक्षा के मोर्चे पर स्थिरता,ये सभी कारक इस जीत के पीछे प्रमुख रहे हैं।यह परिणाम न केवल राज्य स्तर पर बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में राजनीतिक संतुलन को मजबूत करता है, जिससे भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी को भी बल मिलता है।तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से विशिष्ट रही है, जहां द्रविड़ दलों का दबदबा रहा है। यदि इस बार चुनाव में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत मिला है या सत्ता परिवर्तन हुआ है, तो यह दक्षिण भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरुआत हो सकती है।द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के बीच परंपरागत मुकाबले के बीच यदि कोई नया समीकरण उभरा है, तो यह इस बात का संकेत है कि मतदाता अब पारंपरिक निष्ठाओं से हटकर प्रदर्शन और नेतृत्व क्षमता को महत्व दे रहे हैं। तमिलनाडु का परिणाम राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दक्षिण भारत में राजनीतिक विस्तार की संभावनाओं को दर्शाता है। साथियों इन तीन प्रमुख राज्यों के अलावा,अन्य राज्यों के परिणाम भी इस व्यापक तस्वीर को पूरा करते हैं।कुल मिलाकर यह चुनाव परिणाम एक मिश्रित लेकिन स्पष्ट संदेश देता है जहां मतदाता स्थानीय मुद्दों के आधार पर निर्णय लेते हैं, वहीं वे राष्ट्रीय नेतृत्व और नीतिगत स्थिरता को भी ध्यान में रखते हैं। इस चुनाव में यह भी देखने को मिला कि चुनाव प्रचार में डिजिटलमाध्यमों सोशल मीडिया और डेटा- आधारित रणनीतियों का प्रभाव पहले से कहीं सटीक रूप से अधिक रहा। साथियों शेयर बाजार व विकास के बुनियादी ढांचों व राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भी इन चुनाव परिणामों का तात्कालिक प्रभाव देखा जा सकता है। यदि बाजार को यह संकेत मिलता है कि सरकार मजबूत और स्थिर है,तो निवेशकों का विश्वास बढ़ता है, जिससे बाजार में तेजी आ सकती है। सेक्टर वाइज देखें तो इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को सबसे अधिक लाभ हो सकता है, क्योंकि ये क्षेत्र सरकारी नीतियों और निवेश पर निर्भर करते हैं। वहीं, आईटी और फार्मा जैसे सेक्टर पर अपेक्षाकृत कम प्रभाव पड़ता है, क्योंकि वे वैश्विक बाजार से अधिक प्रभावित होते हैं।राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, इन चुनाव परिणामों का सबसे बड़ा प्रभाव नीतिगत निर्णयों की गति पर पड़ता है। एक मजबूत सरकार तेजी से निर्णय ले सकती है, जिससे आर्थिक सुधारों को लागू करना आसान हो जाता है। यदि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय होता है, तो बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और निवेश योजनाएं तेजी से आगे बढ़ सकती हैं। इससे रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलता है। साथियों बात अगर हम राजनीतिक दृष्टिकोण से यह परिणाम भारतीय संघीय ढांचे पर भी प्रभाव डालेगा किसको समझाने की करें तो अब तक पश्चिम बंगाल केंद्र और राज्य के बीच टकराव का एक प्रमुख उदाहरण रहा है,जहां टीएमसी सरकार और केंद्र की बीजेपी सरकार के बीच लगातार राजनीतिक और प्रशासनिक संघर्ष देखने को मिला।अब केंद्र और राज्य के बीच समन्वय बढ़ने की संभावना है। इससे विकास परियोजनाओं,बुनियादी ढांचे के निर्माण और निवेश को गति मिल सकती है। हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि विपक्ष की अनुपस्थिति में लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होगी।आर्थिक दृष्टि से पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखी जा सकती है। लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि राज्य में उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण नहीं है और राजनीतिक अस्थिरता तथा हिंसा निवेश को प्रभावित करती है। यदि नई सरकार स्थिरता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में सफल रहती है, तो राज्य में औद्योगिक विकास को नई दिशा मिल सकती है। विशेष रूप से विनिर्माण,आईटी और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में बड़े निवेश की संभावना बढ़ सकती है। इसके अलावा, केंद्र और राज्य के बीच बेहतर तालमेल से योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ सकती है, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक वृद्धि को बल मिलेगा। हम देखेंगे क्रि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से यह चुनाव परिणाम बंगाल की पहचान की राजनीति पर भी गहरा प्रभाव डाल सकता है। टीएमसी ने अब तक बंगाली अस्मिता और क्षेत्रीय गौरव को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया था,जबकि बीजेपी ने राष्ट्रीयता, विकास और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को प्रमुख मुद्दा बनाया। यदि बीजेपी सत्ता में आती है,तो यह देखना दिलचस्प होगा कि वह इन दोनों विमर्शों के बीच संतुलन कैसे बनाती है। राज्य की विविध सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक संरचना को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्रकार का एकतरफा दृष्टिकोण राजनीतिक और सामाजिक तनाव को जन्म दे सकता है। साथियों बात अगर हम इस पूरे मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण से देखें तो ये चुनाव परिणाम भारत की राजनीतिक स्थिरता के लिए सकारात्मक संकेत हैं। वैश्विक निवेशक हमेशा यह देखना चाहते हैं कि किसी देश में सरकार कितनी स्थिर है और नीतियों में निरंतरता कितनी है। यदि प्रमुख राज्यों में एक ही पार्टी या गठबंधन को मजबूत जनादेश मिलता है, तो यह निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत होता है। इससे विदेशी निवेश में वृद्धि की संभावना बढ़ती है और भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल जैसे औद्योगिक और रणनीतिक राज्य में सत्ता परिवर्तन या स्थिर सरकार का गठन, पूर्वी भारत के आर्थिक विकास को गति दे सकता है।एक स्थिर और मजबूत लोकतंत्र के रूप में भारत की पहचान और मजबूत होती है, जिससे वैश्विक मंच पर उसकी स्थिति सुदृढ़ होती है। अमेरिका, यूरोप और एशिया के अन्य देशों के साथ भारत के संबंधों में भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। विशेष रूप से चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन के संदर्भ में, भारत की राजनीतिक स्थिरता एक महत्वपूर्ण कारक है।हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि हर चुनाव परिणाम के साथचुनौतियां भी आती हैं। जिन राज्यों में सत्ता परिवर्तन हुआ है, वहां नई सरकार को जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा।वहीं,जहां सरकार दोबारा चुनी गई है, वहां प्रदर्शन को और बेहतर करना होगा, क्योंकि जनता की उम्मीदें और बढ़ जाती हैं। विपक्ष की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि एक मजबूत लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष आवश्यक है। साथियों जब किसी देश में राजनीतिक स्थिरता और नीति निरंतरता का संकेत मिलता है,तो वह विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को आकर्षित करने में सक्षम होता है। वर्तमान परिदृश्य में,भारत चीन+1 रणनीति के तहत एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में उभर रहा है,और यदि इन चुनावों के परिणाम स्थिरता का संदेश देते हैं, तो बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ भारत में अपने निवेश को और बढ़ा सकती हैं। पश्चिम बंगाल में संभावित बदलाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राज्य भौगोलिक रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया के करीब है और क्षेत्रीय व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान और रेटिंग एजेंसियाँ भी इन चुनावी परिणामों को भारत की दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता के संकेतक के रूप में देखेंगी। यदि परिणाम अपेक्षानुसार आते हैं, तो भारत की साख पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जिससे विदेशी पूंजी की लागत कम हो सकती है। साथियों हालांकि,वैश्विक परिदृश्य में कुछ जोखिम भी बने हुए हैं, जैसे कि भू-राजनीतिक तनाव, विशेष रूप से मध्य पूर्व में संभावित संघर्ष, जो ऊर्जा कीमतों को प्रभावित कर सकता है और इसके परिणामस्वरूप भारत की आयात लागत बढ़ सकती है। इसके अतिरिक्त, वैश्विक मंदी या प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक सुस्ती भी भारत के निर्यात और निवेश प्रवाह को प्रभावित कर सकती है। फिर भी, यदि भारत घरेलू स्तर पर स्थिर और सुधारोन्मुखी नीतियों को बनाए रखता है, तो वह इन बाहरी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होगा।समग्र रूप से देखा जाए तो 2026 के इन चुनावों के रुझान भारत के लिए एक सकारात्मक आर्थिक कहानी की नींव रखते हैं, जहाँ राजनीतिक स्थिरता, नीति निरंतरता और क्षेत्रीय विकास का संतुलन देश को एक नई आर्थिक ऊंचाई पर ले जा सकता है। शेयर बाजार में अल्पकालिक तेजी, विभिन्न सेक्टरों में निवेश के अवसर, राष्ट्रीय स्तर पर सुधारों की गति और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती साख— ये सभी संकेत इस बात की ओर इशारा करते हैं कि भारत आने वाले वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन चुनावी रुझानों का प्रभाव और भी व्यापक है, क्योंकि वैश्विक निवेशक भारत को एक उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में देखते हैं अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि 4 मई 2026 के पांच राज्यों चुनाव परिणाम यह स्पष्ट करते हैं कि भारत का लोकतंत्र लगातार विकसित हो रहा है। मतदाता अधिक जागरूक हो रहे हैं और वे अपने वोट का उपयोग सोच-समझकर कर रहे हैं। यह चुनाव केवल जीत और हार का नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रतीक है। बंगाल में कमल का खिलना, असम में हैट्रिक,और तमिलनाडु में नई राजनीतिक कहानी,ये सभी घटनाएं मिलकर एक ऐसे भारत की तस्वीर पेश करती हैं, जो परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

-संकलनकर्ता लेखक - क्र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9226229318

पश्चिम बंगाल में क्यों हारीं ममता बैनर्जी ?

लेखक-सौरभ वार्ष्णेय

पांच राज्यों के चुनाव में पश्चिम बंगाल में भाजपा जिस तरीके से प्रचंड जीत हासिल की है उससे यह तय है कि भारतीय जनता पार्टी की चुनाव प्रबंधतंत्र बहुत मजबूती के साथ लड़ती है कि जी जान लगा देती है। वहीं पश्चिम बंगाल की राजनीति में ममता बैनर्जी लंबे समय तक अजेय मानी जाती रही हैं। उनकी जुझारू छवि, जमीनी पकड़ और करिश्माई नेतृत्व ने उन्हें राज्य की राजनीति का केंद्र बना दिया था। लेकिन यदि किसी चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा, तो यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि कई राजनीतिक, सामाजिक और रणनीतिक कारणों का परिणाम होता है। सबसे पहला कारण जनता की अपेक्षाओं और वास्तविकता के बीच बढ़ती दूरी रहा। लंबे शासन के बाद लोगों की उम्मीदें बढ़ जाती हैं। यदि रोजगार, उद्योग, कानून-व्यवस्था या बुनियादी सुविधाओं में अपेक्षित सुधार नहीं दिखता, तो मतदाता बदलाव की ओर झुकता है। दूसरा बड़ा कारण सत्ता-विरोधी लहर है। लगातार सत्ता में रहने से सरकार के खिलाफ असंतोष स्वाभाविक रूप से पनपता है। यह असंतोष स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार, पार्टी कार्यकर्ताओं के व्यवहार और प्रशासनिक ढिलाई के रूप में सामने आता है।तीसरा पहलू विपक्ष की मजबूत रणनीति और ध्रुवीकरण की राजनीति रहा। जब विपक्ष संगठित होकर स्पष्ट मुद्दों के साथ चुनाव लड़ता है—चाहे वह विकास का वादा हो या पहचान की राजनीति—तो वह सत्ताधारी दल के लिए चुनौती बन जाता है। पश्चिम बंगाल में भी चुनावी समीकरण केवल विकास तक सीमित नहीं रहे, बल्कि सामाजिक और वैचारिक धुरवीकरण ने भी परिणामों को प्रभावित किया।चौथा कारण स्थानीय नेतृत्व और संगठन की कमजोरी हो सकती है। किसी भी बड़े नेता की लोकप्रियता तब तक टिकाऊ नहीं होती, जब तक जमीनी स्तर पर पार्टी मजबूत न हो। कई क्षेत्रों में संगठनात्मक ढीलापन या गुटबाजी भी नुकसान पहुंचाती है। लोकतंत्र का यही स्वभाव है कि वह किसी को स्थायी विजेता नहीं मानता। जनता समय-समय पर अपने फैसले से यह स्पष्ट करती है कि सत्ता सेवा का माध्यम है, अधिकार नहीं। ममता की हार केवल एक नेता की हार नहीं, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का संकेत है—जहां जनता बदलाव, जवाबदेही और बेहतर शासन की मांग करती है। यह हर राजनीतिक दल के लिए संदेश है कि जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए निरंतर आत्ममंथन और सुधार जरूरी है।

एक दशक का अंत, क्या भगवा युग की शुरुआत? पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बड़े मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। पिछले लगभग एक दशक से राज्य की सत्ता पर काबिज रही तृणमूल कांग्रेस के सामने अब एक सशक्त चुनौती उभरकर सामने आई है। यदि राजनीतिक संकेतों और जनमत की दिशा को समझा जाए, तो यह सवाल स्वाभाविक है—क्या बंगाल में एक युग का अंत और दूसरे की शुरुआत होने जा रही है?

ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने 2011 में वामपंथ के 34 साल पुराने शासन को खत्म कर परिवर्तन का नारा दिया था। शुरुआती वर्षों में सरकार ने जनकल्याण योजनाओं, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के जरिए अपनी पकड़ मजबूत की। लेकिन समय के साथ सत्ता के केंद्रीकरण, भ्रष्टाचार के आरोप, हिंसा और प्रशासनिक निष्पक्षता पर उठते सवालों ने उनकी छवि को प्रभावित किया है। दूसरी ओर, भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में बंगाल की राजनीति में तेजी से अपनी जगह बनाई है। पहले जहां यह पार्टी हाशिए पर थी, वहीं अब यह मुख्य विपक्ष के रूप में उभरी है। भाजपा का उदय केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि वैचारिक बदलाव का संकेत भी माना जा रहा है—जहां पहचान की राजनीति, राष्ट्रवाद और धार्मिक ध्रुवीकरण महत्वपूर्ण मुद्दे बनते जा रहे हैं।

समय रहते सावधान! इस वर्ष बदलते मौसम के कारण भीषण गर्मी,सूखे का संकट और मानसून पर "एल नीनो" का खतरा

लेखक रमेश कृष्णराव लांजेवार

दिन-प्रतिदिन बदलते मौसम के कारण वातावरण में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। इसके चलते अत्यधिक गर्मी का स्तर तेजी से बढ़ा है और पानी के संकट तथा सूखे की संभावना प्रबल होती जा रही है। वर्तमान स्थिति में राज्य सहित देश के कई हिस्सों में तापमान 40 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, यानी लगभग हर जगह का तापमान 40 डिग्री से ऊपर चला गया है। कुछ क्षेत्रों में तेज आंधी और बेमौसम बारिश भी हो रही है,जिससे मौसम का संतुलन पूरी तरह बिगड़ गया है।राज्य और देश के जिन शहरों में पहले तापमान अधिकतम 40 डिग्री तक रहता था, वहां अब 45 डिग्री तक पहुंच गया है। यह तापमान वृद्धि अत्यंत खतरनाक स्थिति का संकेत है। लगातार बढ़ती गर्मी से गंभीर परिस्थितियां पैदा हो रही हैं। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, सीमेंट की सड़कें, वाहनों का धुआं, एसी का बढ़ता उपयोग और लोगों की बढ़ती सुविधाएं ये सभी तापमान वृद्धि के प्रमुख कारण हैं।इस अत्यधिक गर्मी का असर खेती पर भी साफ दिखाई दे रहा है और इस वर्ष किसानों पर सूखे का संकट मंडरा रहा है। साथ ही "एल नीनो" के कारण भीषण जल संकट की आशंका जताई जा रही है। प्रशांत महासागर में "एल नीनो" की सक्रियता के कारण मानसून पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जिससे जुलाई से सितंबर के बीच बारिश कम हो सकती है।महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और मध्य क्षेत्रों में सामान्य से कम वर्षा की संभावना है, जबकि कोकण और विदर्भ के कुछ हिस्सों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रह सकती है। फिर भी औसत से कम बारिश का खतरा बना हुआ है, जिससे खरीफ फसलों पर विपरीत असर पड़ सकता है।यह भीषण गर्मी बढ़ते औद्योगिकीकरण, कार्बन उत्सर्जन और जंगलों की अंधाधुंध कटाई का परिणाम है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो भविष्य में यह और भी भयानक संकट बन सकता है। विदर्भ के शहरों जैसे अकोला 45, वर्धा 45, नागपुर 44.4, अमरावती 44.2, गोंदिया 44.5, यवतमाल 43.2, ब्रह्मपुरी 43.2 और गडचिरोली 43.2 डिग्री तक तापमान पहुंच चुका है, जिससे यह क्षेत्र मानो आग की भट्टी बन गया है।आज विदर्भ को दुनिया के सबसे गर्म क्षेत्रों में गिना जा रहा है, जो बेहद चिंताजनक है। देश में कहीं आगजनी, कहीं ओलावृष्टि और कहीं आंधी-बारिश जैसी घटनाएं इस असंतुलित मौसम का परिणाम हैं। कहा जाता है कि 140 वर्षों बाद ऐसा "एल नीनो" आया है, जो बड़े संकट का संकेत है।जब प्रशांत महासागर का तापमान बढ़ता है, तो वैश्विक मौसम चक्र प्रभावित होता है, जिसे "एल नीनो" कहा जाता है। महासागर का तापमान 2 डिग्री बढ़ना पूरी पृथ्वी के लिए खतरे का संकेत है। दिनोदिन समुद्र का स्तर बढ़ रहा है और भूजल स्तर लगातार घट रहा है, जिसका मुख्य कारण जंगलों की कटाई है।शहरीकरण के कारण वर्षा का लगभग 80% पानी सीधे समुद्र में चला जाता है, क्योंकि जमीन में पानी जाने के रास्ते बंद हो चुके हैं। इससे भूजल पुनर्भरण नहीं हो पाता और जल संकट बढ़ता जाता है।राज्य के बांधों में लगभग 653.63 टीएमसी पानी शेष है, लेकिन "एल नीनो" के कारण वर्षा कम होने की संभावना है। सरकार उपाय कर रही है, परंतु इस संकट के लिए औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और जंगलों की कटाई मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।जब तक बड़े स्तर पर वृक्षारोपण नहीं किया जाएगा और जंगलों की कटाई नहीं रोकी जाएगी, तब तक इस संकट से निपटना संभव नहीं होगा। इसलिए सरकार, सामाजिक संस्थाओं और शिक्षण संस्थानों को आगे आकर वृक्षारोपण करना होगा।आज भी देश के कई दूरदराज क्षेत्रों में पीने के पानी की समस्या, कुपोषण और भुखमरी जैसी स्थितियां हैं। यदि वर्षा जल को रोकना है और भविष्य को सुरक्षित करना है, तो वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है, अन्यथा किसानों की स्थिति और भी खराब होगी और इसका खामीयाजा पुरे देश को भूगतना पडेंगा !इसलीये सभीने समय रहते सतर्क होना समय की माग है।

जय हिंद।

लेखक रमेश कृष्णराव लांजेवार (स्वतंत्र पत्रकार) मो. नं. 9921690779, नागपुर।

"शहीद क्रान्तिकारी सूफ़ी फ़क़ीर काला ख़ान मरी बलोच"

— डॉ.जया शुक्ला

एक सूफ़ी फ़क़ीर के नाम के साथ "क्रान्तिकारी" और " शहीद" शब्द देखकर आश्चर्य होना स्वाभाविक है। सूफ़ी फ़क़ीर तो अपने शान्त स्वभाव के लिये जाने जाते हैं। पर हमारे देश की सरज़मीं पर उससे प्यार करने वाले , और उसकी आज़ादी के लिये जान क़ुर्बान कर सकने की हिम्मत और चाहत भी रखने वाले सिरफिरों की कमी कभी नहीं रही। और यह सिरफिरे किस कौम से, या जीवन के किस क्षेत्र से आते हैं, इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता। बस उनका इसी सरज़मींका होना काफ़ी है। काला ख़ाँ मरी बलोच भी एक बहुत शांत स्वभाव के सूफ़ी थे। 1857 की आज़ादी की लड़ाई अंग्रेज़ सरकार ने बेहद नृशंसतापूर्वक पूरे देश को ख़ूनके दरिया में डुबोकर, और साम-दाम-दंड-भेद का पूरी तरह उपयोग करके कुचल दी थी। किन्तु उस क्रान्तिकी आग की चिंगारियाँ तो अभी भी देशभर के जनमानस के हृदय में सुलग रही थीं, और उस ख़ून के दरिया की लाली वह अभी भी महसूस करते थे। इस आग का ताप सुदूर बलूचिस्तान में भी सुलग रहा था। बंगाल, पंजाब, आदि में चौथाई शताब्दी बाद भी प्रकट होते क्रान्तिकारी संगठनों के विषय में तो इतिहास को देश जानता है, किन्तु बलूचिस्तान की यह कालजयी कहानी हमें नहीं पता, यह हमारे लिये बेहद दुःख और शर्मिन्दगी का विषय है। सन् 1870 में ब्रिटिश उपनिवेशी फ़ौजों ने बलूचिस्तान का रुख़ किया। सूफ़ी काला ख़ान मरी संत थे, किन्तु मातृभूमि की आज़ादी उनके लिए सबसे अहम थी। वह बलूचिस्तान के "मरी" जनजाति के थे। उन्होंने इसके सदस्यों और सूफ़ियों का आवाहन किया, और उन्हें गुरिल्ला सैनिकों के समान संगठित किया। वर्तमान बलूचिस्तान के कोहलू ज़िले में "काहान" पहाड़ी है। वह इनकी सैन्यस्थली बनी। संत होते हुए भी उन्होंने हाथोंमें बन्दूक उठा ली। वहाँ पर सूफ़ी संत काला ख़ान मरी ने अपने साथियों के साथ जिस प्रकार और जैसा अभूतपूर्व पराक्रम लम्बे अर्से तक किया, वह विश्वभर के सैन्य इतिहास में मिसाल है, जिसका सानी मिलना कठिन है। ब्रिटिश सेना मज़बूत और बेहतर बन्दूकों, और तब की आधुनिकतम तोपों से लैस थी। उधर इन मुट्ठीभर लोगों के पास केवल पुरानी बन्दूकें थीं । मगर उनके पास बहुत क़ीमती जो चीज़ थी, वह था उनका आत्मबल और आज़ादी का जज़्बा। उनका निशाना भी अचूक था। काला ख़ान जी और उनके साथियों ने पूरे चार सालों तक ब्रिटिश सेना को उसी काहान पहाड़ी पर रोके रखा, यह जान कर हमलोगों को विश्वास करना भी कठिन लगेगा। अंग्रेज़ों ने लगातार घेराबन्दी की, सैंकड़ों सैनिक खोए, किन्तु इन लोगों का हौसला नहीं तोड़ सके। आख़िरकार इनको रसद पहुँचने वाले रास्तों की उन्होंने घेराबन्दी की इसपर भी यह वीर लड़ते ही रहे। अन्ततः भूख से अशक्त हुए शरीर, और संसाधनों की कमी से जूझते श्री कालाख़ान अपने दो साथियों, जलामी बलोच और रहीम अली बलोच, के साथ गिरफ़्तार किए गए जेल में यह लोग 1891 तक, अर्थात् फाँसी द्वारा इनकी शहादत तक, रखे गए। एक संत को बग़ैर मुक़दमे का तानाशाही नाटक किए फाँसी दे देने पर ज़बर्दस्त विद्रोह की अंग्रेज़ों को आशंका थी, जो सही भी थी, अतः इनको तुरन्त फाँसी न देकर मुक़दमा भी चला। जेल में बन्द रहकर भी यह येन केन प्रकारेण अवाम को विद्रोह के प्रति प्रेरित करने की सूचनाएँ पहुँचा पाते थे। अंग्रेजों के मन में इनका इतना अधिक भय था, कि फाँसी के पहले तक इनकी बेड़ियों के अलावा इनके पाँवों तकको बेड़ियाँ लगी रहती थीं, जैसा कि फाँसी के पहले खींची गई इन तीनों शहीदों की तस्वीर में देखा जा सकता है। सन् 1891 में सूफ़ी संत काला ख़ान मरी बलोच को उनके साथियों श्री जलामी बलोच और श्री रहीम अली बलोच के साथ फाँसी दी गई। इनकी शहादत के बाद कलकत्ता (उस समय की अंग्रेज़ों की राजधानी) भेजे गए तार में अंग्रेज़ों ने स्वयं स्वीकार किया कि उनसे बेहतर निशानेबाज़ दुनियाँ ने नहीं देखा। इन महान क्रांतिकारियों के नाम हमारे इतिहास में नहीं मिलते? क्यों हमलोग हमारी आज़ादी के लिये असह्य यातनाएँ सहकर सर्वोच्च बलिदान देनेवाले उन महानायकों की याद के प्रति भी इतने बेपरवाह हैं, जिनका कर्ज़ हम कभी चुका तक नहीं सकते? क्या हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को यह गौरवशाली इतिहास नहीं बताना चाहिए? हमारे संस्कार और हमारी आत्मिक शक्ति हमारे गौरवशाली इतिहास से बनती है, और वही हमें रास्ता भी दिखाते हैं। इतिहास गवाह है, क़ौम वही ज़िंदा रहती है जो अपने शहीदों को याद रखती है।

- जया शुक्ला

आईपीएल 2026 : अभिषेक शर्मा ने ऑरेंज कैप पर फिर जमाया कब्जा, पर्पल कैप रेस में तीसरे स्थान पर पहुंचे रबाडा

एजेंसी, नई दिल्ली

रविवार को खेले गए डबल-हेडर मुकाबलों के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस और रोमांचक हो गई है। इस दिन जहां सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को क्रमशः कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, वहीं व्यक्तिगत प्रदर्शन ने अंकतालिका में बड़ा उलटफेर कर दिया। ऑरेंज कैप की रेस में एक बार फिर अभिषेक शर्मा ने बाजी मार ली है। केकेआर के खिलाफ उन्होंने भले ही सिर्फ 15 रन बनाए, लेकिन इसके बावजूद वह कुल 440 रन के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के केएल राहुल (433 रन) को पीछे छोड़ दिया, जो अब दूसरे स्थान पर हैं। तीसरे स्थान पर हेनरिक क्लासेन (425 रन) बने हुए हैं, जिन्हें इस मुकाबले में बड़ा स्कोर करने का मौका नहीं मिला। चौथे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के वैभव सूर्यवंशी (404 रन) हैं। इस सूची में नया नाम गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन का जुड़ा है, जिन्होंने 41 गेंदों में 57 रन की शानदार पारी खेलकर अपने कुल रन 385 तक पहुंचा दिए और टॉप-5 में एंट्री कर ली। इसके अलावा ईशान किशन ने 42 रन की पारी खेलकर 354 रन के साथ नौवें स्थान पर जगह बना ली है, जबकि ट्रेविस हेड ने 28 गेंदों में 61 रन बनाकर 12वें स्थान पर छलांग लगाई। गेंदबाजी में कगिसो रबाडा शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले छह मैचों में 12 विकेट झटके हैं और कुल 16 विकेट के साथ पर्पल कैप की रेस में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के भुवनेश्वर कुमार और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अंशुल कंबोज से सिर्फ एक विकेट पीछे हैं, जो फिलहाल संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज हैं। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा इस मैच में नहीं खेले, ईशान मलिंगा को कोई विकेट नहीं मिला, जबकि राशिद खान सिर्फ एक विकेट ही ले सके।

अश्विन बोले, महेन्द्र सिंह धोनी को अपनी गेंदबाजों पर रहता था पूरा भरोसा

एजेंसी, चेन्नई

पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि जितना भरोसा उनको गेंदबाजों पर रहता था उतना किसी और में नहीं देखा है। अश्विन ने धोनी की कप्तानी कौशल के लिए नहीं, बल्कि उनकी विकेटकीपिंग और खेल के प्रति स्पष्ट सोच के लिए है। अश्विन ने स्पष्ट किया कि उन्हें स्पिनरों के सामने धोनी जैसी विकेटकीपिंग करते हुए किसी और को नहीं देखा है। अश्विन ने कहा कि लोग धोनी की शानदार कप्तानी की बहुत तारीफ करते हैं, और उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है, लेकिन उनके लिए धोनी की दो विशेषताएं सबसे अलग हैं। पहली, एक मध्य क्रम के बल्लेबाज के रूप में उनकी क्षमता, जो खेल को आखिर तक ले जाकर अनुकूल परिणाम में बदल सकते थे। और दूसरी, स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी अद्भुत विकेटकीपिंग, जिसमें उन्हें कोई सानी नहीं।अश्विन ने धोनी के अपनी गेंदबाजों पर भरोसे को भी याद किया। उन्होंने बताया, धोनी ने कभी मेरे लिए फील्डिंग नहीं सजाई। मैं अपनी फील्डिंग स्वयं जमाता था। धोनी उन्हें बस एक सरल सलाह देते थेः दोहरा अनुमान मत लगाओ। पहले से कुछ मत सोचो। अगर तुम्हारी गेंद पर कोई बड़ा शॉट लगता है, तो कोई बात नहीं। अगर कोई जोखिम लेता है तो लेने दो। बस अपनी तय फील्डिंग के हिसाब से गेंदबाजी करो। इस बात से अश्विन को महसूस होता था कि धोनी को उन पर पूरा विश्वास था।

इस भरोसे और धोनी की सजगता का एक उदाहरण देते हुए अश्विन ने 2011 के आईपीएल फाइनल को याद किया, जब धोनी ने क्रिस गेल को शून्य पर आउट करने के लिए स्टंप के पीछे एक शानदार कैच लपका था। अश्विन के अनुसार, आप मैच की रणनीति और विकेट गिरने के बारे में बात कर सकते हैं, लेकिन धोनी ने जिस तरह से वह कैच पकड़ा, वह वास्तव में लाजवाब था।

बाबर की पेशावार जल्मी ने हैदराबाद किंग्समेन को हराकर दूसरी बार पीएसएल खिताब जीता

एजेंसी, लाहौर

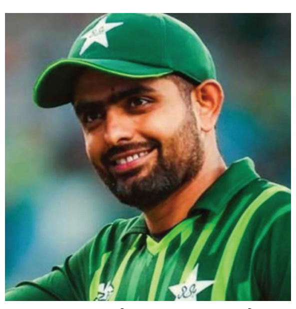

बाबर आजम की टीम पेशावर जल्मी ने यहां गद्दाफी स्टेडियम में खेले पीएसएल के फाइनल मुकाबले में हैदराबाद किंग्समेन को पांच विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया है। जल्मी टीम ने इसी के साथ ही दूसरी बार पीएसएल जीता है। साल 2017 में टीम ने पहली बार ट्रॉफी जीत थी। बाबर पहले भी दो बार पीएसएल विजेता टीम में रहे हैं पर कप्तान के तौर पर ये उनकी पहली जीत रही है। बाबर की टीम ने फाइनल में आरोन हार्डी की किंग्समेन को हरा दिया। किंग्समेन की टीम 18 ओवर में 129 रन ही बना पायी। साइम अयूब ने 54 रन बनाये पर उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पेशासर की टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। उसने 40 रन पर 4 विकेट खो दिये। आजम पहली ही गेंद पर आउट हो गये। इसके बाद मोहम्मद हारिस, कुसल मेंडिस और माइकल ब्रेसवेल के विकेट भी गिर गये। ऐसे में हार्डी ने तेजी से 39 गेंदों पर नाबाद 56 रन बनाए. उन्होंने अब्दुल समद 48 रन के साथ 85 रनों की साझेदारी कर टीम को 15.2 ओवर में ही जीत दिला दी। इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड सुफियान मुकीम (पेशावर ज़ल्मी) को मिला। सुफियान ने 22 विकेट लिए। वहीं सबसे ज्यादा रन के लिए (ऑरेंज कैप) बाबर आज़म को मिली। बाबर ने सबसे अधिक 588 रन बनाये। वहीं सबसे ज्यादा विकेट सुफियान मुकीम मुकीम (पेशावर ज़ल्मी) ने 22 विकेट लिए।

बीसीसीआई अब आईपीएल में क्रिकेटरों की गर्लफ्रेंड्स के रहने को लेकर सख्त नियम बनाने जा रहा

एजेंसी, मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स के रहने को लेकर सख्त नियम बनाने जा रहा है। बीसीसीआई ये कदम मुख्य रूप से भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों को रोकने, खिलाड़ियों की आचार संहिता को बनाए रखने और उनकी छवि को देखते हुए उठा रहा है। जहां भारतीय टीम के विदेशी दौरों के दौरान खिलाड़ियों की पत्नियों और परिवार के सदस्यों के साथ रहने को लेकर पिछले साल बोर्ड ने सख्त नियम बनये थे, वहीं आईपीएल में इस प्रकार के कोई नियम नहीं है जिसका लाभ खिलाड़ी उठा रहे हैं। आईपीएल में खिलाड़ियों की यात्रा और ठहरने की व्यवस्था की जिम्मेदारी आमतौर पर टीम मालिकों की होती है पर बोर्ड के पास इसमें हस्तक्षेप के अधिकार हैं। पिछले कुछ सत्र में कई खिलाड़ी अपनी गर्लफ्रेंड्स के साथ यात्रा करते और होटलों में रुकते देखे गए हैं, जिससे बोर्ड नाराज हैं। बीसीसीआई इसलिए भी परेशान है क्योंकि कुछ खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स पर बेटिंग ऐप्स के लिए काम करने का संदेश है। यह भ्रष्टाचार रोधी नियमों के उल्लंघन के साथ ही खेल की अखंडता के लिए खतरा है। इसके अतिरिक्त, कई युवा भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स सोशल मीडिया पर इन्फ्लुएंसर हैं और अपने पेज पर विभिन्न प्रोडक्ट्स, जिनमें बेटिंग ऐप्स और शराब ब्रांड्स भी शामिल हैं, का प्रचार करती हैं। ऐसे ब्रांड्स का प्रचार बीसीसीआई के नियमों के खिलाफ है और इससे गलत संदेश जाता है।

टी20 में सबसे धीमे शतक का रिकार्ड है स्टर्लिंग के नाम

एजेंसी, मुम्बई

टी20 क्रिकेट में जहां बल्लेबाज तेजी से शतक पूरा करने के लिए जमकर चौक, छक्के लगाते हैं और लोगों को आतिशी खेल देखने को मिलता है। वहीं आयरलैंड के सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग इसके अपवाद है। स्टर्लिंग के नाम इस प्रारुप में सबसे धीमा शतक है। उन्होंने ये शतक साल 2021 में बनाया था जिसने प्रशंसकों को हैरानी में डाल दिया था हालांकि इसके बाद भी। उन्होंने जिम्बाब्वे के टी20 इतिहास का सबसे धीमा शतक लगाकर आयरलैंड को 40 रनों की जीत दिलाई थी।

स्टर्लिंग ने अपने शतक तक पहुँचने के लिए 70 गेंदों को खेला था। उन्होंने कुल 75 गेंदों में 115 रनों की अहम पारी खेली, जिसमें 8 चौके और इतने ही शानदार छक्के शामिल थे। यह रिकॉर्ड आज भी बना हुआ है और शायद भविष्य में कोई बल्लेबाज इसे तोड़ना पसंद न करे, क्योंकि टी20 क्रिकेट हमेशा तेजी पर टिका है। स्टर्लिंग की इस पारी ने ये जरुर साबित किया है कि धीमी बल्लेबाजी से भी जीत संभव है। स्टर्लिंग की इस धीमी पारी से आयरलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाये। स्टर्लिंग को एंडी बालबर्नी का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने 24 गेंदों में 31 रन की पारी खेली। शेन गेटकेट ने 19 और केविन ओब्रायन ने 9 रन बनाये जिससे टीम एक मजबूत स्थिति में पहुँच सकी।

बिजनेस

दो कंपनियों के शेयरों का लॉक-इन पीरियड खत्म, इस सप्ताह चार और कंपनियों का लॉक-इन खत्म होगा

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान लेंसकार्ट समेत कुल छह कंपनियों का शेयरहोल्डर लॉक-इन पीरियड खत्म हो रहा है। इनमें से दो कंपनियों का लॉक-इन पीरियड आज ही खत्म हो गया है। लॉक-इन पीरियड खत्म होने के बाद इन दोनों कंपनियों के 2,566.50 करोड़ रुपये के शेयर में आज से ट्रेडिंग शुरू हो गई है। इस सप्ताह के अंत तक सभी छह कंपनियों का शेयर होल्डर लॉक-इन पीरियड खत्म होने के बाद लगभग 64 हजार करोड़ रुपये के शेयर ट्रेडिंग के लिए फ्री हो जाएंगे।

रियल एस्टेट सेक्टर में काम करने वाली कंपनी दीपक बिल्डर्स का डेढ़ साल से अधिक अवधि का लॉक-इन पीरियड आज खत्म हो गया। लॉक-इन पीरियड खत्म होने के बाद कंपनी की कुल बकाया इक्विटी का 20 प्रतिशत यानी लगभग 93 लाख शेयर ट्रेडिंग के लिए फ्री हो गए हैं। इन शेयरों की मार्केट वैल्यू लगभग 79.50 करोड़ रुपये है। इसी तरह रियल स्टेट सेक्टर की एक और दिग्गज कंपनी एफकॉन्स इंफ्रा का डेढ़ साल से अधिक अवधि का लॉक-इन पीरियड आज खत्म हो गया। लॉक-इन पीरियड खत्म होने के बाद कंपनी की कुल बकाया इक्विटी का 20 प्रतिशत यानी लगभग 7.36 करोड़ शेयर ट्रेडिंग के लिए फ्री हो गए हैं। इन शेयरों की मार्केट वैल्यू लगभग 2,487 करोड़ रुपये है।

आज के बाद सात मई यानी गुरुवार को ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी स्टड्स एसेसरीज का डेढ़ साल से अधिक अवधि का लॉक-इन पीरियड खत्म होने वाला है। लॉक-इन पीरियड खत्म होने के बाद कंपनी की कुल बकाया इक्विटी का 60 प्रतिशत यानी लगभग 2.37 करोड़ शेयर ट्रेडिंग के लिए फ्री हो जाएंगे। इन शेयरों की मार्केट वैल्यू लगभग 1,175 करोड़ रुपये है। इसके अलावा सप्ताह के आखिरी कारोबार दिन शुक्रवार यानी आठ मई को तीन कंपनियों का शेयरहोल्डर लॉक-इन पीरियड खत्म होने वाला है। इस दिन लॉक-इन पीरियड खत्म होने वाली पहली कंपनी लेंसकार्ट है। कुल छह महीने का लॉक-इन पीरियड खत्म होने के बाद कंपनी की कुल बकाया इक्विटी का 60 प्रतिशत यानी लगभग 104.74 करोड़ शेयर ट्रेडिंग के लिए फ्री हो जाएंगे। इन शेयरों की मार्केट वैल्यू लगभग 54,150 करोड़ रुपये है। इसी दिन एमवी फोटोवोल्टिक के शेयरों का लॉक-इन पीरियड खत्म हो रहा है। लॉक-इन पीरियड खत्म होने के बाद कंपनी की एक प्रतिशत आउटस्टैंडिंग इक्विटी यानी लगभग 46 लाख शेयर ट्रेडिंग के लिए फ्री हो जाएंगे। इन शेयरों की मार्केट वैल्यू 120.50 करोड़ रुपये है।

आठ मई को ही ऑर्कला इंडिया के शेयरों का भी लॉक-इन पीरियड भी खत्म होने वाला है। छह महीने का लॉक-इन पीरियड खत्म होने के बाद कंपनी की कुल बकाया इक्विटी का 63 प्रतिशत यानी लगभग 8.67 करोड़ शेयर ट्रेडिंग के लिए फ्री हो जाएंगे। इन शेयरों की मार्केट वैल्यू लगभग 5,540 करोड़ रुपये है।

एनसीएलएटी ने खारिज की जेपी मामले में अडाणी समूह की बोली के विरुद्ध वेदांता की अपील

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने दिग्गज उद्योगपति अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता लिमिटेड की दो याचिकाएं खारिज कर दीं हैं। कंपनी ने इन याचिकाओं में कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की बोली के चयन को चुनौती दी थी। इससे पहले इस मामले में वेदांता लिमिटेड को सुप्रीम कोर्ट में भी निराशा हाथ लगी थी। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुन मित्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) के पूर्व आदेश को बरकरार रखा और कहा कि निर्णय लेने वाले प्राधिकरण के फैसले में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं है। पीठ ने कहा कि अपील में कोई दम नहीं है। दोनों अपीलें खारिज की जाती हैं। कोई आदेश पारित करने की आवश्यकता नहीं है। एनसीएलएटी ने पाया कि 14 नवंबर, 2025 को हुई अपनी 24वीं बैठक में समिति द्वारा परिशिष्ट पर विचार न करने का निर्णय न तो अमान्य था और न ही अनुचित। वेदांता ने मूल्यांकन मानदंड पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उसकी बोली सकल मूल्य के लिहाज से 3,400 करोड़ रुपये अधिक और शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) के आधार पर लगभग 500 करोड़ रुपये अधिक थी। इसे खारिज करते हुए एनसीएलएटी ने कहा कि सीओसी द्वारा उच्च मूल्य वाली योजना को मंजूरी न देना 'मनमाना या अनुचित' नहीं कहा जा सकता। कंपनी विधि न्यायाधिकरण की इलाहाबाद पीठ ने 17 मार्च को जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दी थी, जिसे वेदांता ने एनसीएलएटी में चुनौती दी थी। वेदांता ने इस आदेश को उच्चतम न्यायालय में भी चुनौती दी थी लेकिन शीर्ष अदालत ने रोक लगाने से इनकार कर दिया। जेपी समूह की प्रमुख कंपनी जेएएल को 57,185 करोड़ रुपये कर्ज के भुगतान में चूक के बाद जून, 2024 में कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया में शामिल किया गया था। अडाणी एंटरप्राइजेज ने जेएएल के लिए लगाई बोली में वेदांता लिमिटेड और डालमिया भारत को पीछे छोड़ते हुए जीत हासिल की। अडाणी एंटरप्राइजेज को कर्जदाताओं के सर्वाधिक 89 फीसदी मत मिले थे। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के लिए अडाणी समूह की समाधान योजना को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण से मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही इसके प्रोसेस को चुनौती देने वाली वेदांता समूह की याचिका को खारिज कर दिया गया है।

कच्चे तेल का भाव लुढ़ककर 107 डॉलर प्रति बैरल पर

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट एवं वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' की घोषणा के बाद कच्चे तेल का भाव लुढ़क कर 101 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड -0.79 डॉलर यानी -0.73 फीसदी की गिरावट के साथ 107.0 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.92 डॉलर यानी -0.90 की गिरावट के साथ 101.0 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। जानकारों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में ये गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे वाणिज्यिक जहाजों की मदद के लिए प्रोजेक्ट फ्रीडम के ऐलान के बाद आई है। पिछले हफ्ते ब्रेंट क्रूड की कीमत 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच चुकी थी। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल के जरिए प्रोजेक्ट फ्रीडम की जानकारी दी। ट्रंप ने कहा कि जिन देशों ने अमेरिका से सहायता मांगी है उन देशों की मदद करने के लिए यह शुरू किया जा रहा है। इसके बाद वे देश इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से आसानी से अपने जहाजों को सुरक्षित निकाल पाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)